संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 210
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.0
शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

www.pratahkalexpress.in

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सच से रूबरू

प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित



2017 से पहले माफिया के सामने नाक रगड़ती थी सरकार

पुलिस प्रोग्राम में विपक्ष पर बरसे सीएम योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून–व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून–व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार मे समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 87 इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया। प्रकाश सिंह ने जिस पुलिस रिफॉर्म की वकालत की थी, उसे उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे पहले

16 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पदक, 10 को मुख्यमंत्री वीरता पदक

लागू किया। प्रदेश में अब सात पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। आज यूपी पुलिस के सामने विचार, वीरता और तकनीक, तीनों का समन्वय दिखाई दे रहा है। 'संघर्ष' के माध्यम से पुलिस सेवा के अनुभव और चुनौतियां सामने आई हैं तो जांबाजों की वीरता का सम्मान हुआ है और सड़क सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन पुलिस बल को समर्पित किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी



संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। यूपी पुलिस की थीम 'आपकी सुरक्षा, हमारा संकल्प' इसी भावना को व्यक्त करती है। जब तराई क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में था, तब पुलिस व सेना की सुरक्षा में ही आवागमन संभव था। सूर्यास्त के बाद आवाजाही लगभग बंद हो जाती थी। उस समय डीजीपी के रूप में प्रकाश सिंह ने इन चुनौतियों का सामना किया। पुलिस सुधारों के लिए प्रकाश सिंह को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी। उत्तर प्रदेश ने पुलिस सुधारों को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वैचारिकी केवल शब्द या आलेख नहीं होती, बल्कि वह व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों को भी समाहित करती है। प्रकाश सिंह ने अपने सेवाकाल में पग–पग पर इन चुनौतियों का सामना किया और अपनी पूरी सेवा को कुशलतापूर्वक पूरा किया। लंबे समय तक विभिन्न संस्थानों में व्याख्यानों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने वाली उनकी वैचारिकी अब पुस्तक के रूप में सामने आई है। आचार और विचार में जब समन्वय होता है और दोनों एक ही दिशा में आगे बढ़ते हैं, तभी परिणाम सामने आता है। 2017 से पहले प्रदेश की कानून–व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 'यूपी वाला' कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। पुलिस के सामने भी बड़ी चुनौतियां थीं। राजनीतिक नेतृत्व में स्वयं निर्णय लेने की सामर्थ्य नहीं हो तो कानून–व्यवस्था को नियंत्रित करना कठिन होता है। तब पुलिस सुधार और अवस्थापना सुविधाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। एक वर्ष में करीब छह हजार पुलिस कार्मिकों को ही प्रशिक्षण दिया जा सकता था। पुलिसकर्मियों को टूटे भवनों में रहना पड़ता था। पीएसी की वाहिनियां समाप्त कर दी गई थीं। कोसीकलां, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर समेत कई स्थानों पर दंगों के चलते लंबे समय तक कर्फ्यू लगा।

लोक सेवा आयोग को भर्ती प्रक्रिया भविष्य की जरूरतों के अनुसार बदलने की जरूरत : मोदी



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य चयन आयोगों को भविष्य की जरूरतों के अनुसार चयन के मानदंड और भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को यहां भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया में केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं, बल्कि जनसेवा की प्रेरणा, जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता और भविष्य की चुनौतियों को समझने की क्षमता को भी परखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के प्रशासन का आधार जनहितैषी, सक्रिय और सुशासन होना चाहिए। नागरिक देवो भवः को प्रशासन का मूल बताते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में ऐसे अधिकारियों के चयन पर जोर दिया जो समस्याओं का पहले से अनुमान लगाएं, नए समाधान खोजें और कानूनों के असर को नागरिकों के नजरिये से समझें। प्रधानमंत्री ने परीक्षाओं को कराने में लगने वाले समय को कम करने पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बहुत अहम विषय है। प्रधानमंत्री ने कहा , ष्परीक्षा को हमें केवल एक इवेंट की तरह नहीं देखना है। ये इवेंट से कहीं अधिक युवाओं के भविष्य से, उनके जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। परीक्षाओं में कुछ महीनों की देरी युवाओं के लिए बड़ा संकट बन सकती है। कोचिंग की फीस, रेंट, ट्रांसपोर्ट का खर्च, ये बहुत बड़ा बोझ उस परिवार पर होता है। इसलिए, हमारी परीक्षा प्रणाली में समय की निश्चितता के सिद्धांत को अपनाना बहुत आवश्यक है। इसलिए, देश के सभी चयन आयोगों को, ये सुनिश्चित करना होगा, कि कसौटी में कमी किए बिना, हमारी एग्जामिनेशन साइकिल छोटी कैसे हो?ष श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक देश में तेजी से शहरीकरण होगा और गांवों तथा शहरों के बीच का अंतर कम होगा। ऐसे में युवाओं की अपेक्षाएं बढ़ेंगी और एआई आधारित तत्काल सेवाओं के दौर में प्रशासन को भी उसी गति से बदलना होगा।

रामबन में जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरंग में बस पलटने से 33 लोग घायल

रामबन/जम्मू,एजेंसी। जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के मरूग के पास बृहस्पतिवार को एक सुरंग के भीतर श्रीनगर से जम्मू जा रही स्लीपर बस के पलट जाने से कम से कम 33 यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से नौ को



उपचार के लिए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) जम्मू भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि घायलों को पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सेना के जवानों और सिविल क्विक रिस्पांस टीम के स्वयंसेवकों की मदद से जिला अस्पताल (रामबन) पहुंचाया गया। यातायात अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय पश्चिम बंगाल में पंजीकृत इस स्लीपर बस में 55 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद यातायात की आवाजाही सुगम बनाने के लिए प्रभावित सुरंग में एक तरफ का मार्ग खोल दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव तथा यातायात प्रबंधन अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

न्याय सबके लिए बराबर, बारी भी सबकी आएगी

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को एक पूर्व न्यायिक अधिकारी की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को न्याय तक पहुंच का समान अधिकार है। पूर्व न्यायिक अधिकारी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के समक्ष लंबित उनकी याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा, चाहे कोई बस कंडक्टर हो या राज्य का सचिव, हर व्यक्ति को न्याय तक पहुंच का समान अधिकार है। पूर्व न्यायिक अधिकारी ने अपनी सेवा समाप्त किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट का रुख कर वहां अनुरोध करना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि हाई कोर्ट में मामलों के भारी बोझ के कारण उनकी याचिका पर फैसला नहीं हो पाया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की याचिका को प्राथमिकता देने के लिए हाई कोर्ट से कहना उन अन्य वादियों के साथ अनुचित होगा, जो अपनी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने 60 लाख रुपये की 4.71 लाख नकली सिगरेट पकड़ी, तीन आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने लगभग 60 लाख रुपये मूल्य की 4.71 लाख से अधिक नकली सिगरेट बरामद होने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान अकरम (32), राजरानी (70) और किशन मुरारी (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि एक टीम को 16 सितंबर को प्रशांत विहार इलाके में नकली सिगरेट लाए जाने के संबंध में सूचना मिली जिसके बाद अकरम को लगभग 1.20 लाख सिगरेट के साथ पकड़ लिया गया। प्रशांत विहार थाने में मामला दर्ज करने के बाद आपूर्ति नेटवर्क की जांच की गई। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच के दौरान, 28 सितंबर को एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से 1.59 लाख नकली सिगरेट बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि तीसरे आरोपी को 29 सितंबर को 1.92 लाख नकली सिगरेट के साथ पकड़ा गया। इस तरह आरोपियों के पास कुल 4.71 लाख से ज्यादा नकली सिगरेट बरामद की गईं।

मुर्मु, राधाकृष्णन और मोदी ने कैप्टन मच्छार को बताया देश का हीरो, जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नयी दिल्ली 01 अक्टूबर (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 के 174 लोगों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार को देश का हीरो बताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा, ष्राष्ट्र को कैप्टन स्मित मच्छार पर गर्व है। उनके साहस और संकट की घड़ी में सूझबूझ ने हम सभी को प्रभावित किया है। गंभीर खतरे के क्षण में बुरी तरह घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान बचाने का संकल्प बनाये रखा। उनकी बहादुरी और त्वरित प्रतिक्रिया ने एक बड़ी त्रासदी को टालने और कई अनमोल जिंदगियां बचाने में मदद की।ष उन्होंने लिखा, ष्मैं उनके ज़बरदस्त हौसले को सलाम करती हूँ और उनके जल्दी ठीक होने और अच्छी सेहत के लिए दुआ करती हूँ।ष श्री राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, ष्बड़े खतरे का सामना करते हुए कैप्टन स्मित मच्छार की ज़बरदस्त हिम्मत और सूझबूझ बहुत तारीफ़ के काबिल है। देश इस अनोखे हीरो पर गर्व है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हवा में उनके पक्के इरादे और सही कदम ने एक बड़ी मुसीबत को टालने और विमान में सवार लोगों की जान बचाने में मदद की।ष उन्होंने कहा, ष्कैप्टन मच्छार के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की दुआ करता हूँ। भगवान करें वह जल्द ही अपनी ताकत वापस पा लें। भारत के इस हिम्मती बेटे का दिल से शुक्रिया।ष श्री मोदी ने भारी खतरे का सामना करते हुए और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद दूसरों के जीवन की रक्षा करने में अदम्य साहस और अटूट संकल्प का परिचय देने के लिए कैप्टन स्मित मच्छार की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वीरता ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की।

804 करोड़ रुपये वाले 4 बैंक अकाउन्ट पर नहीं मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की टीएमसी की याचिका

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ममता बनर्जी गुट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें लगभग 804 करोड़ रुपये वाले चार डेबिट–फ्रीज बैंक खातों को चलाने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की बेंच ने कहा कि वे कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश में दखल देने के पक्ष में नहीं हैं, जिसने याचिका को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को निर्देश दिया कि वह इस मामले पर जल्द से जल्द फैसला करे। सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि चुनाव आयोग ने पार्टी का चुनाव चिह्न फ्रीज़ कर दिया है, जबकि चार बैंक खातों में मौजूद फंड का हकदार कौन है, यह बड़ा सवाल अभी भी विचाराधीन है। बेंच ने कहा, ष्हम मामले के गुण–दोष पर नहीं जा रहे हैं।



हम अनुच्छेद 136 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करने के इच्छुक नहीं हैं। हम हाई कोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह सुनवाई में तेज़ी लाए। इस याचिका में विधायक विश्वनाथ दास की साइबर अपराध की शिकायत के बाद पार्टी के चार बैंक खातों को फ्रीज़ करने के पश्चिम बंगाल पुलिस के फैसले को चुनौती दी गई थी।

राहुल ने ऑनलाइन फॉर्म–6 में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग, टीसीएस से पूछे सवाल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नये मतदाताओं के लिए ऑनलाइन फॉर्म–6 में किये बदलाव को लेकर चुनाव आयोग और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) से ज़रूरी सवाल पूछे हैं। श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर कहा, ष्ऑनलाइन फॉर्म–6 में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया, जैसा कि चुनाव आयोग के अपने आयुक्तों ने दर्ज किया है।चुनाव आयोग में किसने टीसीएस को यह बदलाव करने का आदेश दिया। टीसीएस में किसने इसे मंजूरी दी और क्या उन पर ऐसा करने के लिए दबाव डाला गया था? गौरतलब है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने फॉर्म–6 में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित अतिरिक्त घोषणा को शामिल किये जाने पर आपत्ति दर्ज की थी।



संपादकीय

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे–बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे–कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतरू संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये–नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरुआत मात्र हैं। असली कसौटी तो उनके लागू होने में है। इस आलोक में किसी पार्क में जाने, बस में चढ़ने या घर पैदल जाने वाली किसी महिला को इस बात पर आशंकित नहीं होना चाहिए कि किसी संकट की स्थिति में सुरक्षा के लिये बना सिस्टम काम करेगा भी या नहीं। निस्संदेह, किसी भी नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना राज्य की जिम्मेदारी है। सही मायने में यही जवाबदेही ही उस जिम्मेदारी को हकीकत बनाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद शासन–प्रशासन महिला सुरक्षा की गंभीर चिंता को संवेदनशील ढंग से महसूस करेंगे। तभी संकट के समय महिलाएं आश्वस्त हो सकेंगी कि सिस्टम उनकी मदद के लिये तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने के लिए आगे आएगा।

पितृसत्ता के खिलाफ लड़कियों ने की आवाज बुलंद

डॉ. दीपक पाचपोर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

केंद्र की मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के लिए कितने शर्म की बात है कि लड़कियों को बेखौफ सड़कों पर निकलने की आजादी को लेकर आवाज उठानी पड़ रही है। महिला सशक्तीकरण और बेटी बचाने के जितने नारे भाजपा ने गढ़े हैं, वो सब मौजूदा माहौल में ढेर होते दिख रहे हैं। महिला सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली की गिनती सर्वाधिक असुरक्षित शहरों में होती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक 2013 से 2025 के बीच राजधानी में 26,582 रेप केस दर्ज हुए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर दिन करीब यौन हिंसा के करीब 80 मामले दर्ज होते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि देश के 90 प्रतिशत ऐसे मामले तो कभी दर्ज ही नहीं होते। निर्भया कांड जब हुआ था, तो उसने पूरे देश को हिला दिया था। सड़कों पर उतर कर लोगों ने तत्कालीन यूपीए और कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया था। लेकिन वो दौर अलग था, कांग्रेस ने इस गुस्से का सामना जनभावनाओं का सम्मान करते हुए किया और साथ ही निर्भया के परिवार को निजी तौर पर राहुल गांधी ने मदद की और सरकार ने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की। आज सरकार से ऐसी उम्मीदें करना बेकार है। बल्कि दिल्ली के सार्वजनिक पार्क आस्था कुंज में 21 सितंबर को खुद को पुलिसकर्मी बताकर तीन पुरुषों ने एक नाबालिग का बलात्कार किया और घटना के बाद डीडीए ने सलाह दी कि सूरज ढलने के बाद पार्क में किसी को जाने की इजाजत नहीं होगी। यह वारदात लेडी श्रीराम कॉलेज के पास हुई तो कॉलेज ने 22 सितंबर को ऑनलाइन क्लास ही लगा दी। जिसके बाद लेडी श्रीराम, गार्गी कॉलेज, मिरांडा हाउस समेत कई कॉलेजों की छात्राएं इन घटनाओं के खिलाफ सड़कों पर निकल आईं। अब दिल्ली के अलग–अलग हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं और कई सार्वजनिक पार्कों में लड़कियां और महिलाएं धरने पर बैठीं। ठीक ऐसा ही माहौल 2016 में भी बना था, तब श्ब्लैंक नॉइजश नाम की संस्था के तहत लड़कियों ने सार्वजनिक पार्कों में रात को बैठना शुरु किया था। मकसद था सार्वजनिक स्थानों में लड़कियों को सुरक्षित महसूस करवाना और उन्हें यह एहसास दिलाना कि ये जगहें उनकी भी उतनी ही हैं जितनी पुरुषों की। लेकिन दस साल बाद भी दिल्ली क्या पूरे देश के हालात ऐसे ही हैं कि अंधेरा होने पर लड़कियां घर में रहें, यही सलाह दी जाती है। जबकि कायदे से समाज को मानसिकता बदलने की जरूरत है। लड़कों को लैंगिक बराबरी की सीख देने की जरूरत है, ताकि लड़कियां हर हाल में सुरक्षित महसूस करें। अभी डीडीए ने रात को पार्क में न आने की जो सलाह दी, उस पर लड़कियां फिर से पूछ रही हैं कि क्या लड़कियां पब्लिक पार्क में अपनी मर्जी से, अपने तय किए गए वक्त पर नहीं जा सकतीं? अगर सार्वजनिक जगहों पर यौन हिंसा की घटनाएं होती हैं तो क्या इसका उपाय यह है कि लड़कियों को वहां जाने से ही मना कर दिया जाए? छात्राओं का कहना था कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों के पार्कों में प्रवेश पर रोक लगाना समस्या का समाधान नहीं है। हालांकि अब डीडीए ने रविवार देर शाम स्पष्टीकरण जारी किया है कि पार्कों में आने वाले लोग पहले से निर्धारित समय के अनुसार उनका इस्तेमाल जारी रख सकते हैं। सूर्यास्त के बाद सुनसान या कम रोशनी वाले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह केवल सुरक्षा के दृष्टिकोण से दी गई है। इससे पार्कों के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है और तय समय के भीतर पार्कों में आने–जाने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन सवाल यही है कि चाहे स्थान सुनसान हो या भीड़–भाड़ वाला हो, अंधेरा हो या उजाला हो, घर हो, दफ्तर–कॉलेज–स्कूल हो या सड़क हो, हर जगह, हर तरीके से, हर उम्र की लड़कियां सुरक्षित क्यों नहीं हैं। इसका जवाब यही समझ आता है कि समाज में लड़कियों का सम्मान करने और उनके साथ बराबरी का व्यवहार करने की तमीज नगण्य है। गिने–चुने लोग ही होंगे जो लड़कियों को उनकी शारीरिक संरचना से परे केवल इंसानों के तौर पर देखें और वैसा ही व्यवहार करें जो एक इंसान को दूसरे इंसान से करना चाहिए। भारत के समाज में तो सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की तरह–तरह की बंदिशें थोपीं गई हैं और इस तरह लड़कों के उच्छृंखल व्यवहार को और बढ़ावा दिया जाता है। अभी जमुई जिले में नाबालिग का उत्पीड़न कर, सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल कर दिया गया था, इस मामले में कई ऐसे वीडियो भी सामने आए जहां आरोपियों के गांव वालों ने उनका साथ दिया और कहा कि गलती उस लड़की की थी जो अंधेरे में एक लड़के के साथ घूम रही थी। यानी महिलाओं के साथ अपराध हो तो सजा पीड़िता को ही मिले और अपराधी खुले घूमते रहें। राहुल गांधी ने पुणे में पितृसत्ता खत्म करो, पिंजड़ा तोड़ो का आह्वान किया था और अब उन्होंने एक बार फिर कहा है कि पूरे देश में महिलाएं सड़कों पर चलने से डरती हैंय उन्हें उत्पीड़न और बलात्कार का डर रहता है और सरकार का जवाब क्या है? घर पर रहो। यह पितृसत्ता का असर है, एक ऐसा सिस्टम जो पीड़ित को ही दोषी ठहराता है और अपराधी को बचाता है। अब इसे खत्म करने का समय आ गया है। इसका समाधान महिलाओं को घर में बंद करना नहीं है। समाधान है हमारी सड़कों को सुरक्षित बनाना, महिलाओं के साथ बुरा बर्ताव करने वाले पुरुषों की सोच का सामना करना, और उन लोगों को सजा देना जो उन पर हमला करते हैं– बिना किसी देरी और बिना किसी रियायत के।

गांधी के अखबार की राजनीति

अरविन्द मोहन

गांधी के सामाजिक आंदोलन के इस पक्ष को बारीकी से समझने और उनके आंदोलन की ताकत को जानने और तब के राष्ट्रीय आंदोलन में उसकी स्थिति का अनुमान लगाने का सबसे अच्छा माध्यम उनका श्हरिजनश नामक अखबार ही है जो तीन भाषाओं में निकला और उनकी हत्या के बाद भी काफी समय तक निकलता रहा। गांधी खुद अंग्रेजी अखबार का संपादन करते रहे और उनके सबसे भरोसे के विद्वान लोग गुजराती हरिजन बंधु और हिन्दी हरिजन सेवक का सम्पादन उनकी देखरेख में करते रहे। यह अखबार या यह पूरा प्रयोग गांधी के अछूतोद्धार (जिस पद पर आज के सचेत दलित नाराजगी जताते हैं) कार्यक्रम को बताने का सबसे बड़ा माध्यम है पर यह गांधी की पत्रकारिता का भी सबसे प्रभावी और बड़ा प्रयोग है। गांधी की भागीदारी उनके सभी अखबारों में भरपूर थी लेकिन इसमें शायद सबसे ज्यादा थी। बीच आजादी की लड़ाई में शुरू होने पर भी इसने राजनैतिक स्वर एकदम मद्धिम ही नहीं किया, लगभग भुला दिया। इससे लिए छुआछूत, मंदिर प्रवेश, सार्वजनिक कुंए–तालाब तक अछूतों की पहुंच, दलित बच्चों की शिक्षा, रोजगार और मान–सम्मान ही एकमात्र प्राथमिकता रही। हर अंक में हरिजन सेवक संघ के सचिव ठक्कर बापा की रिपोर्ट हर क्षेत्र में होने वाली प्रगति की सूचना देने के साथ उसकी कमीबेसी को भी रेखांकित करती थी। गांधी खुद शास्त्रों के अध्ययन और संस्कृत विद्वानों से चर्चा के बाद छुआछूत के हर पहलू पर लिखते थे और अपनी मूल धारणा को आगे बढ़ा रहे थे कि छुआछूत शास्त्रोक्त नहीं है। चूंकि यह चीज धर्म और नैतिकता से जुड़ी थी इसलिए गांधी कानून बनाने या सरकारी मदद से इसे दूर करने की जगह उसके शास्त्रीय पक्ष को साफ करके लोगों का मन बदलना चाहते थे। और गांधी ही नहीं उनके सारे बड़े मित्र और तब के दिग्गज भी इन सवालों पर अखबार में नियमित लिखा करते थे। लेकिन इस मुहिम का प्राण गांधी ही थे और तब अखबार उनका प्राण बन गए थे। सविनय अवज्ञा आंदोलन में गांधी, प्रकाशक स्वामी आनंद और शंकरलाल बैंकर के जेल चले जाने पर यंग इंडिया और नवजीवन का प्रकाशन बंद हो गया था। उन्होंने अपने पुराने अखबारों को दोबारा शुरू भी नहीं किया जो आजादी की लड़ाई में उनका एक बड़ा हथियार बन गए थे। उनके प्रकाशन से जुड़े सारे लोग जेलों में डाल दिए गए थे। लेकिन दूसरे गोलमेज सम्मेलन के अनुभव और अंग्रेजी सरकार के षड्यंत्रकारी मन को जानने के बाद गांधी को अछूतोद्धार से बड़ा कोई कार्यक्रम नहीं लगता था। हिन्दू–मुसलमान सवाल पर उनकी तत्परता से जो परिणाम मिला उसकी तुलना में जाति व्यवस्था की कुरीतियों वाले सवाल पर ज्यादा सफलता मिली। इन सबसे भी ज्यादा दिलचस्प पक्ष यह है कि सिर्फ दलितों के सवाल और सामाजिक मुद्दों को उठाने के बावजूद गांधी का अखबार हरिजन उनके अखबारों में सबसे बड़ा हिट साबित हुआ। ज्यादा दिन नहीं हुए जब उसने दस हजार की प्रसार संख्या हासिल कर ली। यह तेरह हजार तक गया जो गांधी के किसी भी अखबार की सबसे बड़ी प्रसार संख्या है। गांधी का यह अखबार 11 फरवरी 1933 को पुणे से प्रकाशित हुआ। इसके प्रकाशक अनंत पटवर्द्धन थे और संपादक संस्कृत के विद्वान आर वी शास्त्री थे पर अखबार गांधी का था क्योंकि नब्बे फीसदी से ज्यादा सामग्री उनके नाम से छपी है। दो साल बाद महादेव देसाई संपादक बने तब भी ज्यादा बदलाव नहीं दिखता। हिन्दी के संपादक प्रसिद्ध लेखक वियोगी हरि थे जिनके सहयोगी हरिभाऊ उपाध्याय थे। तीनों अखबारों के हर शब्द पर गांधी की छाप दिखती है। बहुत बाद में गांधी का दिमाग कहे जाने वाले उनके साथी किशोरलाल मशरुवाला को तीनों अखबारों का संपादक बनाया गया और आखिर में उन्होंने गुजरात विद्यापीठ को संभालने वाले गणित और दर्शन के जानकार मगनभाई देसाई को अखबार का जिम्मा सौंपा। हरिजन के पहले अंक में सबसे ऊपर रवि बाबू की एक कविता है और पहले पन्ने से हरिजन सेवक संघ के सचिव ठक्कर बापा की रिपोर्ट है कि कौन–कौन से मंदिरों के द्वार अछूतों के लिए खुले हैं, कहा– कहां कुंआ और तालाब सबसे लिए उपलब्ध हैं, किस–किस जगह अछूतों के लिए स्कूल बने हैं (हरिजन सेवक संघ ने बनवाए थे)। यह रिपोर्टिंग लगातार बाद के अंकों में भी चलती रही थी और बाद में जब वियोगी हरिजी सचिव बने तो उनके जिम्मे यह काम रहा। पहले अंक की सूचना के अनुसार सरवेंट्स आफ अनटचेबल सोसाइटी इसका प्रकाशक थी। अखबार आठ फुलस्केप पन्नों का था। अखबार साप्ताहिक था। हिन्दी और गुजराती अखबारों की फ्रीक्वेंसी अलग–अलग थी पर सबका स्वर एक था। आज के हिसाब से पहले अंक की सबसे बड़ी सामग्री बाबा साहब का बयान है। गांधी ने हरिजन के प्रकाशन के अवसर पर डॉ. अंबेडकर से संदेश मांगा था। बाबा साहब का जवाब था कि वे खुद को कोई संदेश देने लायक (बड़ा) नहीं मानते। सो उन्होंने जाति व्यवस्था की आलोचना और उसकी समाप्ति की इच्छा वाला एक छोटा बयान दिया था। गांधी ने उसे प्रमुखता से छापने के साथ ही जाति व्यवस्था को लेकर अपनी राय बताने वाला लंबा लेख जवाब के रूप में छापा है। इसमें छुआछूत पर फोकस है और उसे अछूतों से भी ज्यादा पूरे हिन्दू समाज के लिए अभिशाप बताया गया है। एक और लंबा लेख छुआछूत पर ही है। लेकिन इस अंक में गांधी ने हरिजन नाम और अंग्रेजी में छापने की मजबूरी को लेकर जो सफाई दी है वह पर्याप्त महत्वपूर्ण है। आज काफी सारे लोग हरिजन कहना और कहलाना पसंद नहीं करते। लेकिन गांधी के छुआछूत विरोधी और जाति व्यवस्था की बुराइयों को दूर करने के आंदोलन में ज्यादातर समय यही पद इस्तेमाल हुआ है। यह पद भक्त कवि नरसिंह मेहता के एक भजन से लिया गया है। तब यह चला भी बहुत लेकिन अस्सी के दशक से जो नया दलित आंदोलन उभरा है उसे यह पसंद नहीं है और जब उसे ही यह नापसंद हो तो दूसरों को कहने का अधिकार भी नहीं रहता। दूसरे अंक का फोकस मद्रास एसेम्बली में पेश छुआछूत संबंधी बिल की चर्चा है जिसे जयकर ने पेश किया था। इस अंक में कलकत्ता की दलित बस्ती में काम की रिपोर्ट वसंत मोरारका ने दी है और बापा की सामान्य रिपोर्ट वीक टू वीक भी ऊपर है। अंग्रेजी शासन की नीतियों पर अलग से आलोचना इज दिस ब्रदरलीनेस शीर्षक से है तो गांधी और पंडित मालवीय के पत्राचार को प्रकाशित किया गया है जिसमें छुआछूत की शास्त्रीय वैधता न होने की बात प्रमुखता से उठी है। और निष्कर्ष असहमति पर सहमति शीर्षक से दिया गया है। गांधी के सवाल भी महत्वपूर्ण हैं। गांधी ने मंदिर प्रवेश और वर्णाश्रम नामक आलेख भी लिखा है तथा सामग्री के मामले में पहले अंक जैसा ही दबदबा बनाए रखा है। लेकिन बाद के अंकों में लिखने वालों की सूची बहुत बड़ी और भारी है। इसमें रवीन्द्रनाथ टैगोर और चक्रवर्ती राजगोपालाचारी से लेकर सारे बड़े लोग शामिल हैं। यह गांधी के आग्रह का नतीजा होगा या छुआछूत का मुख्य वैचारिक चर्चा का केंद्र बन जाना होगा। दोनों ही चीजें गांधी की चिंता और प्रयत्न को बताती हैं। और उन पर यह भूत ऐसा चढ़ा रहा कि उन्होंने बिहार भूकंप को वहां के समाज द्वारा बरते जाने वाले छुआछूत से जोड़ दिया। यह आलेख इस पत्रिका का कोई व्यवस्थित अध्ययन नहीं है। यह सिर्फ एक परिचय है। इसके प्रभाव, विषय वस्तु और यहां दिखी खुद गांधी की सोच को लेकर गंभीर अध्ययन होना चाहिए। जाति व्यवस्था और दलित सवालों पर गांधी की राय और उनके आंदोलन के सम्यक मूल्यांकन के लिए यह एक न्यूनतम जरूरत है। और जरूरी नहीं है कि इसे अकादमिक जगत के लोग या गाँधीवादी जमात के लोग ही करें। बेहतर हो कि गांधी की आलोचना करने वाला जमात इसे पढ़–समझकर, इसकी सही चीर–फाड़ करके गांधी की आलोचना करे या ठीक लगे तो उनके बारे में अनर्गल बातें बंद करे।

भारत की नजर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट पर

कल्याणी शंकर

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी, दोनों तरह की सीटों के लिए कोशिश कर रहा है। स्थायी सीट पाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में बड़े बदलावों की जरूरत है, और ये बदलाव धीरे–धीरे हो रहे हैं। भारत को श्वैश्विक दक्षिणश और भारत–प्रशांत क्षेत्र में एक अहम आवाज के तौर पर देखा जाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, जो अभी संयुक्त राष्ट्र की बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क में थे, ने इस साल अस्थायी सीट के लिए अभियान शुरू किया है। अगस्त 1950 में, अमेरिका ने अपने राजदूत के जरिए भारत को प्रस्ताव दिया था कि वह चीन की जगह भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने पर विचार करे। कहा जाता है कि नेहरू ने इस सुझाव को ठुकरा दिया, जिससे भारत स्थायी सदस्यता पाने का मौका चूक गया। हालांकि, उस समय अंतरराष्ट्रीय हालात शीतयुद्ध के चरम पर थे। शायद उसकी जटिलताओं की वजह से उनका रुख सही रहा हो। नई दिल्ली अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के तहत पिछले 30 सालों से इस सीट के लिए कोशिश कर रही है। इन सालों में, कई देशों ने भारत की दावेदारी का समर्थन किया है, क्योंकि वे भारत के बढ़ते प्रभाव, बड़ी आबादी और शांति बनाए रखने में उसके योगदान को मानते हैं। हालांकि, सुरक्षा परिषद के ढांचे को बदलना मुश्किल है क्योंकि इसके लिए मौजूदा पांच स्थायी सदस्यों–अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम– की आम सहमति की जरूरत है। अभी इस बात की कोई साफ समय–सीमा नहीं है कि भारत यह लक्ष्य कब हासिल करेगा या करेगा भी या नहीं। भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मौजूदा ढांचा अब आधुनिक हकीकत को नहीं दिखाता है। उसका तर्क है कि सबसे बड़े लोकतंत्र और बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उसकी स्थिति उसे एक अहम वैश्विक खिलाड़ी बनाती है। शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में उसकी बड़ी भागीदारी से दिखती है, जहां उसने स्थिरता बनाए रखने में मदद के लिए कई कर्मियों को भेजा है। भारत को मजबूत कूटनीतिक कोशिशें करनी होंगी, क्योंकि ताजिकिस्तान भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एशिया–प्रशान्त क्षेत्र की अस्थायी सीट के लिए होड़ में है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन से ताजिकिस्तान को मिलने वाला समर्थन भारत के लिए मुकाबले को और मुश्किल बना सकता है। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए, भारत को फिजी, अमेरिका, ऑस्ट्रिया और श्रीलंका के अलावा और भी समर्थन की जरूरत है। चुनाव साल में एक बार गुप्त मतदान के जरिए होते हैं और इसके लिए दो–तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, भले ही उम्मीदवारों का कोई विरोध न हो। जी–4 देश स्थायी सीटों के लिए एक–दूसरे की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करते हैं, और कुछ यूरोपीय देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन करते हैं। हालांकि, चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिनमें कितनी नई सीटें जोड़ी जाएं और नए सदस्यों के लिए वीटो पावर का विवादास्पद सवाल शामिल है। कई देशों से समर्थन मिलने के बावजूद, भारत को नई सीटों और वीटो पावर को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वह एक ऐसे प्रस्ताव का समर्थन करता है जिसमें शुरू में नए स्थायी सदस्यों के लिए वीटो अधिकार शामिल नहीं हैं, ताकि मौजूदा सदस्यों की चिंताओं को दूर करते हुए बेहतर प्रतिनिधित्व को बढ़ावा दिया जा सके। जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसदीय सत्रों में दोहराया है, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर–सरकारी वार्ता (आईजीएन) में सक्रिय रूप से शामिल है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए व्यापक समर्थन जुटाने की दिशा में काम कर रहा है। इस रणनीतिक जुड़ाव में वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना शामिल है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामूहिक विकास को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की वकालत करता है क्योंकि उसका मानना है कि मौजूदा ढांचा अब 21वीं सदी की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में उसके महत्वपूर्ण योगदान से साबित होती है। देश ने हजारों कर्मियों को तैनात किया है, जिससे वैश्विक स्थिरता बनाए रखने के लिए समर्पित एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उसकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है। कई यूरोपीय देशों ने भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है, तथा इसे परिषद के भीतर प्रतिनिधित्व में विविधता लाने के एक तरीके के रूप में देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुधार की तत्काल आवश्यकता के बारे में विशेष रूप से मुखर रहे हैं। उन्होंने सीट आबंटन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के दावों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोर दिया है। हालांकि, सुधार प्रक्रिया को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है क्योंकि कोई एकीकृत वार्ता पाठ मौजूद नहीं है और सदस्यता के विस्तार तथा वीटो पावर के विवादास्पद मुद्दे पर विवाद जारी है। कई देशों से मजबूत समर्थन के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं। इन चुनौतियों के केंद्र में नई सीटों के आबंटन और अतिरिक्त सदस्यों को वीटो पावर देने के असर को लेकर विवादित चर्चाएं हैं। इसके बावजूद, भारत स्थायी सदस्यता की वकालत करता रहा है और वैश्विक शासन तथा शांति और सुरक्षा के उन सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताता रहा है, जिन्हें बनाए रखना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का काम है। अपने सुधार प्रस्ताव में, भारत एक ऐसे ढांचे के लिए तैयार है जिसमें शुरुआत में नए स्थायी सदस्यों को वीटो पावर न दी जाए। इस प्रस्ताव का मकसद ऐतिहासिक आशंकाओं को दूर करना है। मौजूदा सदस्यों के बीच ज्यादा बराबरी वाली भागीदारी को बढ़ावा देना मुख्य धेय है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में शामिल होगे 52 लाख 55 हजार परीक्षार्थी

परीक्षार्थियों की संख्या कम होने से घटेंगे परीक्षा केन्द्र
परीक्षार्थियों की संख्या पिछली वर्ष की तुलना में कम हुई
27 नवंबर को जारी होगी परीक्षा केन्द्रों की सूची : सचिव भगवती सिंह

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था उ प्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026– 27 की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। यूपी बोर्ड की 2026–27 की परीक्षा में हाई स्कूल के लगभग 27,75,000 और इंटरमीडिएट के लगभग 24,80,000 को मिलाकर कुल 52,55,000 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। 30 सितंबर को रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि तक हाई स्कूल और इंटरमीडिएट में कुल 52,55,000 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि फाइनल आंकड़ा चार–पांच दिन बाद यूपी बोर्ड जारी करेगा। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 27,61,000 और 12वीं की परीक्षा में 25,75,000 को मिलाकर कुल 53,37,000 के करीब परीक्षार्थी शामिल हुए थे जबकि इस वर्ष परीक्षार्थियों की संख्या पिछली वर्ष की तुलना में कम हुई है। इस वर्ष हाई स्कूल में जहां परीक्षार्थियों की संख्या बढी है। 12वीं में परीक्षार्थियों की संख्या काफी घट गई है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि नौवीं और 11 वीं कक्षा का रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया है। कक्षा 9 में 27,60,000 और 11 वीं कक्षा में 22,80, 000 को मिलाकर 50, 40,000 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जबकि पिछले वर्ष कक्षा 9 में 27,36,000 और 11वीं में 22,80,000 को मिलाकर 49,45,000 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में लगभग 80 से 90 हजार परीक्षार्थी कम हुए हैं जिससे परीक्षा केन्द्रों की भी संख्या कम हो सकती है। यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों को ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के जरिए फाइनल किया जा रहा है। 22 अक्टूबर तक सॉफ्टवेयर के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण किया जाएगा। उनके मुताबिक 27 नवंबर तक परीक्षा केंद्र फाइनल कर लिए जाएंगे।

यूपी बोर्ड के सचिव ने बताया कि बोर्ड परीक्षा नकल विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उसी तर्ज पर इस बार भी सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में बोर्ड परीक्षा कराई जाएगी। यूपी बोर्ड के मुख्यालय प्रयागराज, लखनऊ और सभी जिलों में बनने वाले कमांड एंड कंट्रोल रूम से परीक्षा की ऑनलाइन मानीटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कर नकल के किसी भी प्रयास को रोका जाएगा।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि कापियों के ले आउट को पिछले वर्ष बदल गया था। उसी तर्ज पर इस बार भी परीक्षा कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की आयोजन को लेकर लगभग 3 करोड़ कॉपियां राजकीय मुद्राणालय में छपाई जा रही हैं। उत्तर पुस्तिकाओं को जिलों में भेजा जाएगा। यूपी बोर्ड के सचिव ने बताया कि वर्ष 2023 से यूपी बोर्ड ने मार्कशीट कम सर्टिफिकेट में बड़ा बदलाव किया था। बोर्ड सचिव ने बताया कि बदलाव के बाद मार्कशीट में किसी तरह की कोई समस्या नहीं आई है। इसलिए उसी पेपर पर 2027 की बोर्ड परीक्षा में भी मार्कशीट कम सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जसरा में 'सेवा सेतु' मेला आयोजित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

जसरा (प्रयागराज)। सरकार द्वारा संचालित श्सेवा संकल्प अभियानश के अन्तर्गत सभी ब्लॉकों की तरह विकास खंड जसरा में भी सेवा सेतु जनकल्याणकारी मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री प्रदीप पांडेय जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष देवी सिंह पटेल जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष (जसरा) जगत नारायण शुक्ला जी द्वारा की गई।

आयोजन के दौरान स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण एवं अन्य विभागीय स्टॉल (कैंप) लगाए गए। घ्स्वास्थ्य विभागरू निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण एवं आयुष्मान कार्ड संबंधित परामर्श। घ्कृषि विभागरू किसानों को उन्नत खेती, खाद–बीज और सरकारी अनुदान वाली योजनाओं की जानकारी। घ्आंगनवाड़ी एवं महिला कल्याणरू पोषण से संबंधित परामर्श और धात्री महिलाओं व बच्चों के लिए योजनाएं। घ्शिक्षा एवं अन्य विभागरू विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में मौके पर ही पंजीकरण एवं निस्तारण। घ्कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपचंद गुप्ता एवं वीरेंद्र पाठक का विशेष सहयोग रहा। मेले में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार की मंशा हर गरीब और वंचित व्यक्ति तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है, जिसके लिए ब्लॉक स्तर पर ऐसे श्सेवा सेतुश मेले अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण व लाभार्थी उपस्थित रहे।

स्वच्छता कर्मियों को शॉल व उपहार देकर किया सम्मानित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रधान डाकघर प्रयागराज में स्वच्छता कार्य में जुटे कर्मचारियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।



यह आयोजन डाक विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'स्वच्छता ही स ` व ा अभियान–2026' के तहत किया गया। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधान डाकघर प्रयागराज के प्रवर डाकपाल अशोक त्रिपाठी ने स्वच्छता कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में स्वच्छता कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर सभी स्वच्छता कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पब्लिक रिलेशन इंस्पेक्टर राजेश वर्मा ने किया। इस दौरान डाक विभाग के कर्मचारी एवं स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे।

सब्जियों की पौध तैयार करने में प्रो ट्रे का करें प्रयोग –डॉ0 शैलेंद्र सिंह

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 70 प्रतिभागियों ने लिया भाग,
उद्यान विभाग की ओर से प्रमाण पत्र के साथ प्रशिक्षण किट तथा पौध उत्पादन के लिए उपकरण भी वितरित किए गए

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज 01 अक्टूबर। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत खुसरोबाग में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह वैज्ञानिक उद्यान शुअट्स नैनी द्वारा प्रतिभागियों को आगेती सब्जी की खेती करने की जानकारी देते हुए कहा कि विपरीत समय में सब्जी पौध उत्पादन के लिए प्रो ट्रे है उपयोगी प्रो ट्रे में कोकोपीट वर्मी कोलाइड पर



लाइट एवं वर्मी कंपोस्ट को मिलाकर सब्जियों के बीज बोकर अगेती सब्जी का उत्पादन कर सकते हैं। इसके अलावा उद्यान विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ दीपक लाल ने उद्यान रोपण के विषय में जानकारी दी गई साथ ही सब्जियों एवं फलों में लगने वाले प्रमुख रोग कीट की जानकारी डॉ अनुराग तायडे ने दी इसके अलावा केंद्र के प्रशिक्षण प्रभारी वी के सिंह, विवेक श्रीवास्तव सहायक उद्यान निरीक्षक ने भी अपने विचारों से किसानों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार उद्यान निरीक्षक द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयागराज जनपद की 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया प्रशिक्षण के समापन सत्र में उद्यान विभाग की ओर से प्रमाण पत्र के साथ प्रशिक्षण किट तथा पौध उत्पादन के लिए उपकरण भी वितरित किए गए।

मेडिकल चौराहे पर शास्त्री प्रतिमा को गंगाजल से किया गया शुद्ध

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की



जयंती के एक दिन पूर्व बुधवार को मेडिकल चौराहे स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा की साफ–सफाई की गई। जयंती समारोह की तैयारियों के तहत प्रतिमा को गंगाजल से धोकर परिसर की सफाई की गई। कायस्थ समाज के युवा नेता एवं केपी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तथा सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव शौर्य दीप सचिन श्रीवास्तव एडवोकेट ने प्रतिमा को गंगाजल से धोकर साफ–सफाई की और 2 अक्टूबर को शास्त्री जयंती मनाने की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर सचिन श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश को 'जय जवान, जय किसान' का संदेश दिया, जो आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी की सादगी, विचारधारा और आदर्श जीवनशैली से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

शिक्षामित्र फैसले को डबल बेंच में देगें चुनौती : वसीम अहमद

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। शिक्षामित्र संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी वसीम अहमद ने आज कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि सरकार ने शिक्षामित्रों के साथ घोर अन्याय किया। वह लोग मामले को लेकर डबल बेंच में जा रहे है। उन्होंने बताया कि 2 सितम्बर को जारी शासनादेश में परिषदीय विद्यालय के सभी शिक्षक,मान्यता प्राप्त विद्यालय और सहायता प्राप्त विद्यालय के समस्त शिक्षकों के साथ साथ संविदा ध डेलीवेजेज पर कार्यरत स्पेशल एजुकेटरो को स्पेशल टेट में शामिल होने का अवसर दिया था लेकिन वही 26 वर्षो से परिषदीय विद्यालय में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षामित्रों को वंचित किया गया है। इसी शासनादेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दिया था, जो 24 सितम्बर को रिजर्व किया गया था। आज वसीम अहमद व अन्य 220 बनाम राज्य सरकार को खारिज कर दिया है। वसीम अहमद ने कहा कि हम इस आदेश को डबल बेंच में चुनौती देगे।



युवाओं ने लोकसभा की तर्ज पर किया संसदीय कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में मिनिस्ट्री ऑफ पार्लियामेंट्री अफेयर्स, भारत सरकार के तत्वावधान में 1 अक्टूबर 2026 को 18वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय कार्यप्रणाली की व्यावहारिक समझ विकसित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गायन से हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष, महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर, प्रयागराज चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल ने पक्ष एवं विपक्ष की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपने संसदीय अनुभव साझा किए। उन्होंने संसद में जनता के प्रति जवाबदेही को प्रभावी ढंग से रखने के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने लोकसभा की तर्ज पर सदन की कार्यवाही का जीवंत मंचन किया। इसमें शपथ ग्रहण, श्रद्धांजलि एवं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सहित विभिन्न संसदीय प्रक्रियाओं को प्रस्तुत किया गया। प्रश्नकाल के दौरान युवा सांसदों ने पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए देश–दुनिया से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल–जवाब किए।

युवा सांसदों ने जातिगत जनगणना, अल्पसंख्यकों में शिक्षा से बढ़ता ड्रॉपआउट, डिजिटल सुरक्षा तथा तकनीकी विकास जैसे विषयों पर तथ्यात्मक सवाल उठाए। विपक्षी सांसदों ने सरकार की नीतियों पर प्रश्न किए, जबकि सत्ता पक्ष के मंत्रियों ने जवाब देते हुए सदन की कार्यवाही में अपनी भूमिका निभाई। सदन की अध्यक्षता कर रहे स्पीकर ने अनुशासन बनाए रखने तथा सभी प्रतिभागियों को समान अवसर प्रदान करने में नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट



अतिथि प्रो. पंकज कुमार ने संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए इसे लोकतंत्र की आत्मा बताया। ग्रुप कोऑर्डिनेटर युवा संसद प्रो. के. वेंकटेसन ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की जानकारी दी और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को जिम्मेदार नागरिक एवं कुशल नेतृत्वकर्ता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मंच संचालन डॉ. अनु श्री ने किया, जबकि कार्यक्रम संयोजिका रितु रघुवंशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के संवाद कौशल, आत्मविश्वास एवं संसदीय नियमों के पालन की सराहना की। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर प्रो. अर्चना खरे, प्रो. सरोज सिंह, प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. एस.पी. सिंह, प्रो. शिव शंकर सिंह, आयोजक मंडल के सदस्य डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. रमेश भारती, डॉ. नीरज कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

गांधी जयंती की पूर्व सन्ध्या पर बही भजनों की बयार

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय संघटक इलाहाबाद विश्वविद्यालय में गुरूवार को गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर प्रोफेसर नमिता यादव के संयोजन में महाविद्यालय परिसर में गांधी जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप



प्रज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रो० नमिता यादव के निर्देशन में संगीत विभाग की छात्राओं सौम्या मालवीया, वैष्णवी, लक्ष्मी, मीनाक्षी, तनु एवं प्रिया राजपूत के द्वारा गांधी जी के विभिन्न भजनों–रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने जे कहिए तथा हे राम हे राम प्रस्तुत किया गया। अन्य कार्यकर्मो में वैशाली के द्वारा गांधी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया तथा तन्नू सिंह एवं खुशी ने कविता पाठ किया। तदुपरांत प्राचार्य प्रोफेसर खरे ने गाँधी जी की सरलता व सहजता तथा उनके दर्शन को भेद रहित दर्शन के रूप में आलोकित किया गाँधी सिद्धांतों पर चलने का मार्ग के रूप में बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रो नीलिमा सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के मंच का संचालन डॉ यशस्वी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर नीलिमा सिंह, डॉ अमितेंद्र प्रताप सिंह, डॉ प्रियंका शर्मा, डॉ विवेक सिंह, डॉ शमीनाज बानो, डॉ वर्षा अग्रवाल, डॉ अंशू, डॉ अनिल यादव, डॉ यशस्वी पांडे, डॉ अभिषेक, नवीन तिवारी, एवं महाविद्यालय की समस्त शोध छात्र और छात्राएं उपस्थित रही।

बीएससी नर्सिंग, पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं को शानदार अनुभव के साथ विदा किया गया

इस दौरान छात्रों ने जमकर धमाल मचाया, डांस, गीत–संगीत से समां बांध दिया।

छात्रों ने कहा – 'पढ़ाई के साथ–साथ छिपी प्रतिभाओं को निखारने का केंद्र है करमा नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज

प्रातःकाल एक्सप्रेस

घूरपुर प्रयागराज। दांदूपुर स्थित करमा नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज में धूमधाम से फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया जिसमे ष्बीएससी नर्सिंग और पैरामेडिकल के छात्रों को शानदार अनुभव के साथ विदा किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्टेज पर जमकर धमाल मचाया। गीत–संगीत और डांस से पूरे कैंपस में जश्न का माहौल रहा।



छात्रों का कहना है कि करमा नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि छिपी प्रतिभाओं को निखारने का भी केंद्र है। कॉलेज के प्रशासक डॉक्टर एहतेशाम खान ने कहा कि छात्रों को विशेष अनुभव और यादों के साथ विदाई दी गई है। इस मौके पर डॉक्टर एम आई खान सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र मौजूद रहे। छात्रो ने कहा करमा नर्सिंग कॉलेज का ये फेयरवेल हमेशा याद रखा जाएगा!

एनी बेसेन्ट विद्यालय ने सौ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया : महापौर

एनी बेसेन्ट सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कश्वलेज के शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। शिक्षा और संस्कारों की पावन स्थली प्रयागराज में स्थित एनी बेसेन्ट सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, छोटा बघाड़ा में आज विद्यालय के गौरवशाली शताब्दी वर्ष (100 वर्ष) समारोह का शुभारम्भ अत्यंत भव्यता, दिव्यता और हर्षोल्लास के साथ हुआ। सौ वर्षों की इस लंबी शैक्षणिक यात्रा को मील का पत्थर मानते हुए यह उद्घाटन समारोह शहर के प्रबुद्ध जनों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों की उपस्थिति में ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ वाग्देवी माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्चन के साथ



हुआ। भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान कराया। समारोह के मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि एनी बेसेन्ट विद्यालय ने पिछले सौ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व और सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़ने के पश्चात यह ऐतिहासिक संस्थान ना केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देगा, बल्कि उनमें राष्ट्रभक्ति, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से ओत–प्रोत संस्कारयुक्त शिक्षा का भी संचार करेगा। आने वाले समय में यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में और भी नए कीर्तिमान स्थापित करेगा, ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है। अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति शेखर यादव ने शिक्षा के नैतिक स्वरूप पर प्रकाश डाला और छात्र जीवन में संस्कारों की महत्ता को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति सूर्य प्रकाश केसरवानी और विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिब्यकांत शुक्ल ने शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने पर शुभकामनाएं दीं। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों, आचार्यों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शताब्दी समारोह के दूसरे दिन शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें देश और क्षेत्र के नामचीन कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मुग्ध करेंगे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रयाग महानगर में विद्या भारती द्वारा संचालित सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, आचार्य , छात्र – छात्राओं एवं बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। संचालन विद्यालय के कोषाध्यक्ष डॉ. विनम्रसेन ने किया ।

विक्रेताओं के लिए जेम पोर्टल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 6 अक्टूबर को

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। जेम पोर्टल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संगम सभागार, सभागार कलेक्ट्रेट परिसर प्रयागराज में विक्रेताओं का प्रशिक्षण दिनांक 06.10.2026 को अपरान्ह 02 बजे से 05 बजे तक होना प्रस्तावित है। प्रशिक्षण शासन स्तर के लखनऊ से आ रहे आगन्तुकों द्वारा दिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के अधिकाधिक सेलर्स को प्रतिभाग कराया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान जेम पोर्टल पर सेलर्स के रूप में पंजीकरण, उत्पाद एवं सेवाओं को पोर्टल पर सूचीबद्ध करने, बीड रेवेन्यू ऑक्शन में प्रतिभाग करने, ऑर्डर प्राप्त करने तथा जेम के माध्यम से शासकीय विभागों को उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने जनपद के समस्त इच्छुक उद्यमियों, व्यापारियों एवं विक्रेताओं से प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर जेम पोर्टल के माध्यम से शासकीय खरीद व्यवस्था में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

पूर्व विधायक रामशिरोमणि शुक्ला का रानीगंज में जनसंपर्क, जगह-जगह हुआ जोरदार स्वागत

प्रातःकाल एक्सप्रेस

रानीगंज प्रतापगढ़। रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के कद्दावर नेता और पूर्व विधायक रामशिरोमणि शुक्ला ने मंगलवार को रानीगंज क्षेत्र का सघन दौरा किया। इस दौरान उनके साथ समाजवादी पार्टी के रानीगंज विधानसभा अध्यक्ष शेर बहादुर यादव के नेतृत्व में जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया।

जगह–जगह दावा और जनसंपर्क

पूर्व विधायक श्री शुक्ला ने रानीगंज के कई गांवों और बाजारों



में जाकर लोगों से मुलाकात की। उन्होंने जनता की समस्याएं सुनीं और क्षेत्र के विकास के लिए अपने कार्यकाल में कराए गए कार्यों को याद दिलाया। लोगों ने भी उनका फूल–मालाओं से जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि शुक्ला जी का क्षेत्र से पुराना लगाव है और वे आज भी जनता के सुख–दुख में खड़े रहते हैं। विधानसभा अध्यक्ष शेर बहादुर यादव ने कहा कि पूर्व विधायक के अनुभव का लाभ पूरे क्षेत्र को मिल रहा है और कार्यकर्ताओं में उनके आने से नया जोश आया है।

पत्रकार रणविजय सिंह यादव के यहां चाय पर चर्चा

दौरे के अंत में पूर्व विधायक रामशिरोमणि शुक्ला ने पत्रकार रणविजय सिंह यादव के आवास पर चाय पी। चाय के दौरान क्षेत्र की राजनीति, विकास के मुद्दे और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गहन मंथन हुआ। पत्रकार रणविजय सिंह यादव ने पूर्व विधायक का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और रानीगंज जैसे ग्रामीण क्षेत्र में निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए रणविजय सिंह यादव जी का कार्य सराहनीय है। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक सीताराम यादव को दी गई भावभीनी विदाई

हामिद इब्राहिम (पत्रकार)

प्रातःकाल एक्सप्रेस

कोहंडौर, प्रतापगढ़। कोहंडौर थाने में तैनात उपनिरीक्षक सीताराम यादव के अधिवर्षता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को थाना परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सम्मानपूर्वक



विदाई देते हुए उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि किशन सोनी, प्रधान प्रतिनिधि विशाल सिंह सहित अन्य लोगों ने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। पुलिसकर्मियों एवं उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर उनके सेवाकाल को याद किया। थाना प्रभारी अनुपम त्रिपाठी ने सीताराम यादव के पुलिस विभाग में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखमय भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति सरकारी सेवा का पड़ाव है, जबकि इसके बाद जीवन में नई जिम्मेदारियों और अनुभवों के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों और क्षेत्रीय लोगों ने सीताराम यादव के साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए और उनके सरल व्यवहार एवं सेवाभाव की सराहना की। समारोह में महेन्द्र पांडेय, सत्य विजय सिंह, सिद्धांत तिवारी, संतोष दुबे, आदर्श पाल, संतोष यादव समेत थाना कोहंडौर का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में खागा तहसील का रहा दबदबा

बालक वर्ग के तीनों खिताब जीते, बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रातःकाल एक्सप्रेस

असोथरध्फतेहपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद के दिशा–निर्देशों के तहत असोथर में जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें फतेहपुर सदर, खागा और बिंदकी तहसील की टीमों ने प्रतिभाग किया।



बालक वर्ग में खागा तहसील का दबदबा रहा। सीनियर, जूनियर और मिनी जूनियर तीनों वर्गों के फाइनल में खागा ने फतेहपुर सदर को हराकर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग के मिनी सीनियर में फतेहपुर ने खागा को हराया, जबकि बिंदकी उपविजेता रही। जूनियर वर्ग में बिंदकी विजेता और खागा उपविजेता रहा। मिनी जूनियर वर्ग में खागा ने फतेहपुर को हराकर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का शुभारंभ सर्वोदय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नगर पंचायत अध्यक्ष असोथर नीरज सिंह सेंगर और शारीरिक शिक्षाध क्रीड़ा संघ के प्रधानाचार्य संतोष सिंह चौहान ने मां सरस्वती के पूजन व दीप प्रज्ज्वलन से किया। जनपद स्तरीय क्रीड़ा सचिव शैलेंद्र सिंह तोमर की मौजूदगी में मुकाबले कराए गए। निर्णायक मंडल में विजेंद्र सिंह यादव, बीरेश सिंह तोमर, हरद्वार सिंह, रोहित, अमित चौधरी और हरिशंकर यादव शामिल रहे। प्रतियोगिता में शिक्षक, कोच, खेल प्रेमी और विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्टूबर) पर विशेष.....

सियासत बदली, रिश्ते नहीं : फतेहपुर में आज भी कायम है शास्त्री परिवार का जुड़ाव

हरी भैया से विराज तक जारी है जनसेवा का सफर, तीन पीढ़ियों से जनपद से जुड़ा रिश्ता आज भी बरकरार

शीबू खान

प्रातःकाल एक्सप्रेस

फतेहपुर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन को याद करते हुए फतेहपुर से उनके परिवार के दशकों पुराने जुड़ाव की चर्चा भी अहम हो जाती है। यह रिश्ता केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समय के साथ राजनीतिक संपर्क, सामाजिक सरोकार, आत्मीयता और जनसेवा के रूप में आगे बढ़ता रहा। फतेहपुर की सियासत में शास्त्री परिवार का नाम आज भी पुराने रिश्तों और उस दौर की राजनीतिक स्मृतियों से जुड़ा हुआ है।

फतेहपुर और शास्त्री परिवार के रिश्ते की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के ज्येष्ठ पुत्र स्वर्गीय हरिकृष्ण शास्त्री से हुई, जिन्हें स्थानीय लोग आत्मीयता से 'हरी भैया' के नाम से जानते थे। हरिकृष्ण



शास्त्री फतेहपुर से सांसद निर्वाचित हुए और बाद में केंद्र सरकार में मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली। सांसद के रूप में उनका क्षेत्र से सीधा जुड़ाव रहा और लोगों के साथ संवाद उनकी राजनीतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। यही वजह रही कि उनका संबंध फतेहपुर के लोगों से केवल जनप्रतिनिधि और मतदाता का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आत्मीयता का भी बन गया। हरी भैया के निधन के बाद भी फतेहपुर से शास्त्री परिवार का रिश्ता खत्म नहीं हुआ। उनकी पत्नी स्वर्गीय विभा शास्त्री से भी स्थानीय लोगों का संपर्क और आत्मीयता बनी रही। परिवार के सुख–दुख में लोगों की भागीदारी और लोगों के प्रति अपनापन इस रिश्ते को राजनीतिक दायरे से आगे ले गया। इसके बाद हरी भैया के ज्येष्ठ पुत्र विभाकर शास्त्री ने भी फतेहपुर की राजनीतिक जमीन पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। चुनावी राजनीति में उन्हें अपेक्षित सफलता भले नहीं मिली, लेकिन जनपद के लोगों के बीच उनके प्रति स्नेह और सहयोग का भाव बना रहा। इससे यह संदेश भी सामने आया कि चुनावी परिणाम किसी राजनीतिक यात्रा का एक पड़ाव हो सकते हैं, लेकिन वर्षों में बने सामाजिक रिश्ते उससे कहीं अधिक स्थायी होते हैं। अब शास्त्री परिवार की तीसरी पीढ़ी के रूप में विराज शास्त्री फतेहपुर से अपने पारिवारिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने में सक्रिय हैं। जनसेवा, सामाजिक गतिविधियों और जनसंपर्क के माध्यम से उनका लोगों से संवाद बढ़ा है। युवाओं और स्थानीय सामाजिक समूहों के बीच उनकी सक्रियता को शास्त्री परिवार के पुराने रिश्ते को नई पीढ़ी से जोड़ने वाली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। लाल बहादुर शास्त्री का सार्वजनिक जीवन सादगी, ईमानदारी, कर्तव्य और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। ऐसे में फतेहपुर से उनके परिवार का दशकों पुराना जुड़ाव स्थानीय राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है। सियासत के दौर बदले, चुनावी समीकरण बदले, लेकिन रिश्तों की डोर बनी रही। यही शास्त्री परिवार और फतेहपुर के बीच लंबे समय से कायम उस आत्मीय संबंध की सबसे खास पहचान है।

महर्षि विद्या मंदिर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

छात्रों को पॉक्सो एक्ट, साइबर अपराध और सोशल मीडिया सुरक्षा की दी जानकारी



प्रातःकाल एक्सप्रेस

फतेहपुर। महर्षि विद्या मंदिर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023, पॉक्सो एक्ट–2012, मौलिक अधिकारों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश सुधीर कुमार पंचम ने कहा कि किशोर–किशोरियां भावनाओं में आकर घर छोड़ने जैसे निर्णय न लें। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने पॉक्सो एक्ट एवं स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत का संदेश भी दिया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते खतरों से आगाह करते हुए कहा कि छात्र अपनी निजी तस्वीरें और लोकेशन सोशल मीडिया पर साझा न करें। किसी अपराध या परेशानी की स्थिति में परिजनों अथवा संबंधित हेल्पलाइन से सहायता लेने की सलाह दी। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने नाबालिगों से जुड़े लैंगिक अपराधों के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090 के बारे में बताते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर छात्राएं इस पर सहायता ले सकती हैं। सीजीएम आशुतोष द्वितीय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पलाश गांगुली ने भी विद्यार्थियों को कानून, अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया।

बुजुर्गों के बीच पहुंचीं जिलाधिकारी, बांटी खुशियां

प्रातःकाल एक्सप्रेस

फतेहपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के वृद्धजन आवास में सम्मान और अपनत्व के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने बुजुर्गों को फल एवं वस्त्र वितरित किए। भोजन जन सेवा समिति के संस्थापक कुमार शेखर ने बुजुर्गों का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। डिप्टी सीएमओ डॉ. इश्तियाक अहमद की देखरेख में स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां एवं सिरप वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी बुजुर्गों को भोजन कराया गया। अधीक्षिका नीतू वर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर सूरज कुमार, संतोष तिवारी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अशोक यादव, संजय कुमार सिंह, राहुल सिंह, अनूप कुमार, आनंद सिंह सहित वृद्धजन आवास के कर्मचारी मौजूद रहे।

आरएन मानव ने चलाया जनसंपर्क अभियान, ग्रामीणों से किया संवाद

प्रातःकाल एक्सप्रेस

बांदा। नरैनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदयपुर में मानव क्रांति पार्टी के संस्थापक एवं नीति निर्देशक चौधरी आरएन मानव के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों, किसानों और युवाओं से संवाद कर रोजगार, सिंचाई, खाद तथा बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को लेकर अपनी पार्टी की विचारधारा रखी। अभियान में एडवोकेट जीके भारतीय, हिमांशू श्रीवास, भैरम प्रसाद, धर्मेंद्र श्रीवास, आनंद कुमार वर्मा और सर्वेश वर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार अभियान के दौरान कई ग्रामीणों ने पार्टी से जुड़ने की घोषणा की।

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर वृद्ध पेंशनरों का हुआ सम्मान

प्रातःकाल एक्सप्रेस

फतेहपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर वरिष्ठ नागरिक पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से पेंशनर कक्ष में वृद्ध पेंशनर



सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व न्यायमंत्री राधेश्याम गुप्त ने की। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि कुलदीप सिंह भदौरिया और वरिष्ठ कोषाधिकारी योगेश कुमार पाण्डेय ने वरिष्ठ नागरिकों को अंगवस्त्र, माल्यार्पण व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कालीशंकर श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान वृद्धजनों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया और उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा हुई। पूर्व न्यायमंत्री राधेश्याम गुप्त ने बुजुर्गों को आशीर्वाद देते हुए दीर्घायु की कामना की। समारोह में रामराज वर्मा, सुभाष मौर्या, श्यामसुंदर श्रीवास्तव, राकेश अग्निहोत्री, महेश अग्निहोत्री, डॉ. अशोक श्रीवास्तव, रामविशाल पटेल, शैलेश श्रीवास्तव, समीम अहमद, राजेंद्र नारायण सहित कई पेंशनर मौजूद रहे। अंत में प्रदेश अध्यक्ष कालीशंकर श्रीवास्तव और महामंत्री ई. मोतीलाल पाल ने आभार जताया।

बहुउद्देशीय सेवा शिविरों में उमड़ी लाभार्थियों की भीड़

प्रातःकाल एक्सप्रेस

फतेहपुर। सेवा सेतु अभियान के तहत गुरुवार को हसवा, भिटौरा, धाता, देवमई, असोथर और मलवा विकासखंडों में बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं, सेवाओं और पात्रता की जानकारी दी तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन लिए। देवमई में 664, मलवा में 623, असोथर में 557, हसवा में 1110, भिटौरा में 515 और धाता में 803 लाभार्थियों ने शिविर में सहभागिता की। इस तरह छह विकासखंडों में कुल 4272 लोगों ने पहुंचकर योजनाओं की जानकारी ली। शिविरों में विशेष रूप से आवास, शौचालय और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को लेकर लोगों की अधिक सहभागिता रही। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अधिकारियों ने बताया कि शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। संबंधित खंड विकास अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों की देखरेख में शिविरों का आयोजन किया गया।

मारपीट व तोड़फोड़ का केस दर्ज

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रतापगढ़। मारपीट व तोड़फोड़ की घटना को लेकर पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के लकुरी गांव की रूकसार पत्नी कौसर अली व पुत्री मुस्ताक खान ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती उन्तीस सितम्बर की शाम वह अपने मायके आयी थी। पीड़िता का आरोप है कि यहां रंजिशन गांव के गुलाम मोहम्मद, आफताब, सोना पुत्री असगर अली, तरन्नुम बानो पुत्री गुलाम मोहम्मद व दो तीन अज्ञात ने मारपीट गाली गलौज व तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया।

किसानो और जनहित की समस्याओं को लेकर सकिपा का हल्लाबोल, नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

किसानो और आम आदमी के हितों की अनदेखी हुई तो होगा आंदोलन : अजय सोनी

प्रातःकाल एक्सप्रेस

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में एक अक्टूबर गुरुवार को पार्टी की मासिक बैठक जिला कार्यालय मंझनपुर में हुई। बैठक में किसानो की समस्यायों को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर पार्टी नेता अजय सोनी ने कहा कि जिला प्रशासन कौशांबी किसानो एवं आम जनता की समस्यायों का निराकरण नहीं कर रहा है। आगे कहा कि जिला प्रशासन द्वारा किसानो और आम आदमी के हितों की अनदेखी की गई तो समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इसके बाद जुलूस की शक्ल मे पार्टी कार्यकर्ताओं ने हल्लबोल करते विद्युत कटौती बंद करो बंद करो..... किसानो को मुआवजा दो मुआवजा दो.....के नारों के साथ कलेक्ट्रेट की ओर कूच किया। मौके पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को एक पांच सूत्रीय ज्ञापन अजय सोनी की अगुवाई में सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में भारी बारिश से किसानो की फसलों के हुए नुकसान का गांव गांव सर्वे कराकर किसानो को मुआवजा देने, सिराथू ब्लॉक के मोंगरी के ताल में हुए जलभराव का निराकरण करने, गंगा नदी में आई बाढ़ से प्रभावित फसलों का तरसौरा, परसखी और सुखऊ का पुरवा आदि गांवों के किसानो को मुआवजा देने, भारी बारिश से गरीबों के गिरे मकानो का सर्वे कराकर गरीबों को आवासीय सुविधा प्रदान करने और घाटमपुर, देवखरपुर और कुरा मुरीदन विद्युत उपकेंद्रो समेत जिले के सभी विद्युत उपकेंद्रों से रात्रिकालीन विद्युत कटौती बंद कर रोस्टर से 22 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने जैसी मांगे शामिल थीं। इस अवसर पर प्रेमचंद्र केसरवानी, मुन्ना तिवारी, फूलचंद्र लोधी, कमरूल अब्बास, सत्येंद्र तिवारी, भगवानदास वर्मा, भैरव प्रसाद गौतम आदि मौजूद रहे।

साथी के उत्पीड़न से खफा वकीलों ने एसडीएम चैम्बर में की नारेबाजी, जताया विरोध

एसडीएम के स्थलीय निरीक्षण के आश्वासन पर वकीलों का गुस्सा हुआ शान्त

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रतापगढ़। अधिवक्ता के दरवाजे के सामने से जबरिया प्रशासन द्वारा कथित रूप से रास्ते के चिन्हाकंन को लेकर गुरूवार को साथियों में आक्रोश पनप उठा। नाराज अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुऐ एसडीएम के चौम्बर में पहुंचकर प्रशासनिक कार्रवाई पर विरोध जताया। हालांकि एसडीएम ने स्थल का निरीक्षण कर समुचित समाधान का भरोसा दिलाकर माहौल को शान्त किया। तहसील में प्रैक्टिस करने वाले रामपुर बावली क्षेत्र के एक अधिवक्ता ने आरोप लगाया है कि



पुलिस व प्रशासन की मिलीभगत से उसके दरवाजे से आबादी की भूमि पर जबरिया रास्ते का निर्माण कराने के लिए नायब तहसीलदार की अगुवाई में चिन्हांकन कराया गया। इस मामले को लेकर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचन्द्र तिवारी तथा महामंत्री शिवरंजन यादव की अगुवाई में वकीलों ने एसडीएम चौम्बर में पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। एसडीएम वाचस्पति सिंह ने नाराज वकीलों को खुद मौके का निरीक्षण कर समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। हंगामें के दौरान पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश समेत कुछ अधिवक्ताओं की एसडीएम की नोकझोंक हुयी देखी गयी। गुस्साये वकीलों ने चौम्बर से लेकर पोर्टिको तक प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर उपाध्यक्ष नामवर सिंह, अजय शुक्ला, शैलेंद्र सिंह, सूर्यकांत निराला, संतोष पाण्डेय, शैलेंद्र मिश्रा, सिंटू मिश्रा, शैलेंद्र शुक्ला, केबी सिंह, शैलेंद्र तिवारी, अंकित सिंह, अतुल मिश्रा, पवन पांडेय, भानु प्रकाश त्रिपाठी, आलोक शुक्ला, कमल राज, भानु प्रकाश, गिरीश पांडेय, बृजेन्द्र पांडेय और राजेश शुक्ला आदि अधिवक्ता रहे।

स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर । गुरुवार को शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव 2026 की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर बरौधा कचार स्थित पं. दीनदयाल पुरम कॉलोनी जिला कार्यालय पर के सभागार में बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने किया ।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह रहे । बैठक में वाराणसी शिक्षक एमएलसी संयोजक अजीत रावत एवं स्नातक एमएलसी संयोजक पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह ने चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए ।

उन्होंने संगठन की सक्रिय भूमिका तथा मतदाता संपर्क एवं चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा किया । मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर पार्टी संगठन पूरी गंभीरता के साथ तैयारियों में जुटा है । और आगे भी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करते रहे । उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया ।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री एवं जिला संयोजक स्नातक एमएलसी डॉ. सी. एल. बिन्द ने किया । इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री विद्याधर तिवारी, मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष उत्तर कुमार मौर्य, मनोज जायसवाल, बालेंदुमणि त्रिपाठी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष जगदीश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी, गौरव उमर, सुनीता शर्मा, बैजनाथ प्रजापति, उदयभान तिवारी, जिला मंत्री डॉ0 विजय सिंह, आलोग सिंह, विरेन्द्र प्रताप यादव, विरेन्द्र कुमार कोल, संध्या पटेल, रोहित त्रिपाठी, पूनम चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दुबे, जिला आईटी संयोजक अमित सिंह, जिला सोशल मीडिया संयोजक आनंद मैनी, जिला मीडिया सह प्रभारी विजयशक्ति दूबे, रतन कुमार सिंह के साथ मण्डल अध्यक्ष एवं स्नातक और शिक्षक चुनाव के जिला एवं विधानसभा संयोजक एवं सह संयोजकगण उपस्थित रहे । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा ने दिया।



समाजवादी पार्टी का बढ़ता कारवां, पीडीए जन पंचायत में उमड़ी भीड़

राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा ने चकिया विधानसभा को लगाया विजय तिलक

देवा सरकार

प्रातःकाल एक्सप्रेस

चकिया, चन्दौली। चकिया विधानसभा क्षेत्र के सोनहुल स्थित गणपति कॉम्प्लेक्स लॉन में समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए जन पंचायत एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय लोगों की मौजूदगी देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा ने सामाजिक भागीदारी, संविधान, अधिकार और पीडीए की अवधारणा को लेकर कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों से संवाद किया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और जन–जन तक पार्टी की नीतियों एवं विचारों को पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भी पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी द्वारा चकिया विधानसभा क्षेत्र में लगातार पीडीए कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं और जनता के बीच संवाद स्थापित किया जा रहा है। मिट्टी को सोना बनाने वाला समाज पीडीए जन पंचायत में मौर्या, शाक्य, सैनी, कुशवाहा समाज का हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान "सामाजिक भागीदारी, संविधान और अधिकार" के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, विधानसभा अध्यक्ष प्रभुनारायण यादव, पूर्व विधायक जितेंद्र कुमार एडवोकेट, पूर्व विधायिका पूनम सोनकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राव, मुगलसराय पूर्व विधायक प्रत्याशी चंद्रशेखर यादव, टोनी खरवार, अश्विनी सोनकर, सदर मुश्ताक साहब, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा, प्रवीण यादव, कमलेशपति कुशवाहा, श्रीकांत मौर्या, चंद्र प्रकाश नारायण खरवार, देवा सरकार, रोहित मेहता, अंकेश कुशवाहा, रवि मौर्या, मुकेश मौर्या, रविन्द्र मौर्या, मंजू मौर्या, प्रवीण कुशवाहा, बबिता यादव, देविचरण कुशवाहा, गीता यादव, विनोद सोनकर, सूरज मौर्या सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।



सेवा संकल्प अभियान के नुक्कड़ नाटक में शामिल हुए भाजपा नेता मनोज जायसवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर । विधानसभा क्षेत्र के देवपुरवा स्थित राजस्थान



इंटरमीडिएट कॉलेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित "नमो सेवा गाथा" नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कन्नौजिया,निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह,नगर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा,महामंत्री संतोष जायसवाल,प्रीतम केशरवानी,अशोक केशरवानी,दीपा उमर,रूपेश यादव,सुमन यादव,अभिषेक यादव,अमरेश सोनकर,राहुल जैन,प्रशान्त किशोर,सुन्दरम सोनी,पुनीत मिश्रा,प्रसून पुजारी,बाबूलाल,उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन गोपाल अग्रवाल ने किया।

"खेलो इंडिया खेलो" कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने किया सम्मानित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर। गुरुवार को विकासखंड पटेहरा कलां, मंडल मड़िहान, विधानसभा मड़िहान के आदर्श इंटर कॉलेज सुगापांख के प्रांगण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष के सेवा, समर्पण एवं सुशासन के उपलक्ष्य में "सेवा संकल्प अभियान" के तहत "खेलो इंडिया खेलो" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल रहे।

कार्यक्रम का आयोजन युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा किया गया। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कबड्डी एवं रस्साकशी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को माननीय विधायक जी ने मेडल देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व मंत्री एवं मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने कहा कि "खेलो इंडिया खेलो" के माध्यम से युवाओं को खेलों एवं संस्कृति से जोड़ने, खेल प्रतिभाओं को तलाशने तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय खिलाड़ियों एवं उभरती खेल प्रतिभाओं को मंच और सम्मान मिलने से उनका उत्साह बढ़ता है तथा उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। खेल प्रतिभाओं को आवश्यक अवसर एवं सम्मान देकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बेचन सिंह, मनीष सिंह, वीरेंद्र कोल, राजकुमार सिंह, राजकुमार पांडेय, जोगेंद्र सिंह, श्याम सुंदर त्रिपाठीजी सहित तमाम गणमान्य लोग,खिलाड़ी एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।



हमारा रक्तदान, किसी जरूरतमंद के लिए बन सकता है जीवनदान : शुभम गुप्ता

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर। गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के विशेष अवसर पर श्सेवा संकल्प अभियानश के तहत श्री साईं परिवार सेवा संगठन द्वारा एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में सभी रक्तदाताओं का सघन स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. विनोद कनोजिया और काउंसलर माला सिंह द्वारा किया गया। पूरी सुरक्षा और मानकों को ध्यान में रखते हुए रक्तदाताओं ने अपना महादान किया।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष शुभम गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं का ह्रदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा, ष्रक्तदान हमारे लिए केवल एक दान हो सकता है, लेकिन किसी जरूरतमंद मरीज के लिए यह सीधे तौर पर एक श्जीवनदानश साबित होता है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए निस्वार्थ भाव से आगे आना चाहिए।

शिविर में सफल रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीर योद्धाओं का उत्साहवर्धन करते हुए ब्लड बैंक के जनसंपर्क अधिकारी (च्त्) राम कुमार गुप्ता और संस्था के अध्यक्ष शुभम गुप्ता ने सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस पुनीत सेवा कार्य में मुख्य रूप से अभय जायसवाल, महेंद्र, प्रकाश, अनिल जायसवाल, सर्वोत्तम तिवारी, यश पाण्डेय, अमित गुप्ता और फिरोज सहित कई अन्य लोगों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दर्ज की और रक्तदान कर इस आयोजन को सफल बनाया।

सपा ने एमएलसी चुनाव की तैयारियां तेज कीं, शिक्षक-स्नातक प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर । शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरूवार को सपा जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक हुई। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील करने का आह्वान किया गया।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन पर दोबारा विश्वास जताकर सेवा का अवसर दिया है। पूर्व में भी शिक्षकों ने समर्थन देकर उन्हें सदन में भेजा था। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाने का प्रयास किया। उन्होंने मतदाताओं से पुनः समर्थन देने की अपील की।



जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि कार्यकर्ता शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी सिंह यादव और स्नातक एमएलसी प्रत्याशी आशुतोष सिंहा के समर्थन में अभी से जुट जाएं। सपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का काम करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा घोषित एमएलसी प्रत्याशियों के लिए पूरी ताकत से मेहनत करने का आह्वान किया। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि शिक्षक और स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की जाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा शिक्षकों, शिक्षा व्यवस्था और शिक्षण संस्थानों के हित में ऐतिहासिक एवं जनकल्याणकारी कार्य किए हैं। बैठक का संचालन जिला महासचिव आदर्श यादव ने किया।

बैठक में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया, जगतम्बा सिंह पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव, लालचन्द कोल, दीपचन्द राम, आशीष यादव, मुन्नी यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, दामोदर प्रसाद मौर्या, संजय यादव, राजेश भारती, कीर्ति कोल, रोहित शुक्ला, डा0 सुनील सिंह पटेल, अभय यादव, राणा प्रताप सिंह, संतोष गोयल, सत्यप्रकाश यादव, सोकिम अहमद, झल्लू यादव, सूर्यमणि यादव, बलराम यादव, रामजी मौर्या, राजनारायण निराला, हरिशंकर यादव, आकाश यादव, कौशिक कन्नौजिया, अतीक खान, प्रिंस राव, रवि सोनकर, रामराज यादव, अरशद अली,आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहें और अपने विचार रखे।

गजेन्द्र मोक्ष एवं श्री कृष्ण अवतार ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

वाराणसी। बड़ागांव क्षेत्र के खटौरा गांव में आयोजित श्री श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास डॉ. चंद्रमणि त्रिपाठी (पूर्व प्राचार्य, व्याकरणाचार्य) ने गज–ग्राह युद्ध एवं गजेन्द्र मोक्ष, देवासुर संग्राम, मोहिनी अवतार, रुद्र सम्मोहन, पयोव्रत, वसुदेव–देवकी विवाह एवं कंस के कोप का भावपूर्ण वर्णन किया। इसके बाद गर्भस्थित भगवान श्रीकृष्ण की देवताओं द्वारा स्तुति तथा भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अवतार का प्रसंग सुनाया गया। श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आते ही कथा पंडाल "नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। कथा के यजमान चंद्रेश्वर नारायण सिंह एवं मंजू सिंह ने व्यासपीठ का पूजन–अर्चन किया। इस अवसर पर सुषमा सिंह, राजेश्वर सिंह, नागेश्वर सिंह, बिजेश्वर सिंह, जितेंद्र सिंह, हेमंत सिंह, हर्षित सिंह, किशन सिंह, गिरीश सिंह, धनंजय सिंह, शांतिभूषण सिंह एवं शशिभूषण सिंह सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं GEM/2026/B/8083256 दिनांकः 30.09.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 21.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

जेम बिड सं.: GEM/2026/B/8083256 दिनांक 30.09.2026 | अनुमानित मूल्य (रू): 41,97,600.00

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर खुल्दर के अन्तर्गत वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर चुर्क एवं वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर खुल्दर के लिए 9 टन क्षमता वाले 2 नंग ट्रक वाहन की आपूर्ति का कार्य।

अग्रिम धन राशि मूल्य (रू): 83,960 | कार्य समाप्त की अवधि: 24 माह

निविदा बंद होने की तिथि: 21.10.2026

पात्रता मापदंड के अन्तर्गत विशिष्ट कार्य: सरलाई ऑफ रोड वेहिकल्स अन हायरिंग बेसिस टू सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट सेमी गवर्नमेंट बाडीज ऑफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट एवं पब्लिक सेक्टर अन्डर टेडिंग ऑफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट

नोट:- 1. ऑनलाइन निविदा बंद होने की तिथि तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि तक उपलब्ध है।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2235/26(K)

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/666 दिनांकः 29.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1055-2026 | कार्य अवधिः 12 महीना

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के अलीगढ़ स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के विस्तार 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 53,93,353.67 | बिड सुरक्षा राशिः ₹ 1,07,900.00

बोली प्रणालीः एक पैकेट | निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 21.10.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 21.10.2026, 15.00 बजे

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु ठेकेदारों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2230/26(AK)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ

डीएम ने शपथ दिलाकर प्रचार वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

प्रातःकाल एक्सप्रेस

भदोही। जनपद भदोही में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट परिसर, सरपतहां से जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आमजन को संचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम की शपथ दिलाकर तथा प्रचार वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक जनपद में संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि "भदोही ने ठाना है, संचारी रोगों को हराना है।" उन्होंने कहा कि अपने गांव, ब्लॉक, जनपद एवं देश को रोगमुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। व्यक्तिगत साफ–सफाई के साथ घरों के आसपास तथा गांव एवं मोहल्लों के वातावरण को स्वच्छ रखना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से स्वस्थ व्यवहार अपनाने तथा समुदाय के अन्य लोगों को भी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।



जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों के कारण परिवारों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए यदि आसपास कोई व्यक्ति बुखार से पीड़ित हो तो उसे तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह की कमीज एवं पैंट पहनने, स्वच्छ पेयजल का सेवन करने तथा घरों एवं आसपास जल–जमाव न होने देने की अपील की। साथ ही कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान देने एवं व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों तथा ग्राम पंचायतों में जिला पंचायत राज अधिकारी को संचारी रोग नियंत्रण अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने एंटी लार्वा एवं फॉगिंग का प्रभावी एवं नियमित छिड़काव कराने तथा साफ–सफाई व्यवस्था की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा, जिससे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सके।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, नोडल एसीएमओ डॉ. ओपी शुक्ला तथा जिला मलेरिया अधिकारी राम आसरे ने बताया कि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए जनपद में आवश्यक टीमें गठित की गई हैं।

भदोही पुलिस ने मिशन शक्ति में महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

प्रातःकाल एक्सप्रेस

भदोही। भदोही पुलिस ने मिशन शक्ति फेज–5 के दूसरे चरण में महिलाओं और बालिकाओं के लिए जागरूकता अभियान चला। एसपी अभिनव त्यागी और एएसपी शुभम अग्रवाल के निर्देश पर यह अभियान बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और इलाकों में चला। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों और अपराधों से बचाव के तरीके बताए। उन्हें महिला हेल्पलाइन (181), 1090, 1098, 112, 1076 जैसे जरूरी नंबर बताए गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक फिरदौस फातिमा द्वारा 79-ए-मोतीलाल नेहरू रोड, जिला-प्रयागराज -211002, (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 79-ए-मोतीलाल नेहरू रोड, जिला-प्रयागराज -211002, (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक

फिरदौस फातिमा

मो.9451721210

UPHIN/2015/61843

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद न्यायालय इलाहाबाद, जिला प्रयागराज के अधीन होंगे।

पुलिस सेवा समाज सेवा का सशक्त माध्यम–प्रकाश सिंह

सिद्धांतों पर अडिग रहना ही सफलता का आधार

लखनऊ,संवाददाता। पद्मश्री एवं पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने अपनी पुस्तक 'संघर्ष' के विमोचन के अवसर पर कहा कि उन्होंने यह पुस्तक आत्मकथा के रूप में नहीं, बल्कि अपने सेवाकाल के कुछ अविस्मरणीय अनुभवों और उनसे मिलने वाली सीख को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से लिखी है। उन्होंने कहा कि उनके पुलिस सेवाकाल की शुरुआत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से हुई और उन्हें नगालैंड में विद्रोह की चुनौती के बीच करीब चार वर्ष कार्य करने का अवसर मिला। इसके बाद असम में उग्रवाद की चुनौती के बीच पुलिस महानिदेशक के रूप में जिम्मेदारी मिली। उत्तर प्रदेश में भी उस समय संगठित अपराध और माफिया की चुनौती थी। उन्होंने कहा कि पंजाब में आतंकवाद के चरम दौर में बीएसएफ में रहते हुए उन्हें बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करना पड़ा। पाकिस्तान से सीमा पार कर आने वाले आतंकवादियों और हथियारों की आवाजाही रोकने के लिए सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की रणनीति पर काम किया गया और बेहतर तकनीक का उपयोग करते हुए बॉर्डर फेंसिंग तैयार की गई, जिसके बाद पाकिस्तान से आतंकवादियों की आवाजाही पर प्रभावी रोक लगी और आतंकवाद को मिलने वाली 'ऑक्सीजन' धीरे–धीरे समाप्त हुई।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया आगाज

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ से यूपी में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का गुरुवार को आगाज हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लोहिया संस्थान में अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अभियान के जरिए जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया और काला ज्वर जैसे रोगों पर नियंत्रण में सफलता मिली है। इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतों में भी काफी कमी आई है। अभियान 31 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी 75 जिलों में चलेगा। इसका मकसद संचारी रोगों की रोकथाम, बचाव और इलाज पर जोर देना है। 12 अक्टूबर से दस्तक अभियान शुरू होगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी और संचारी रोगों से जुड़े मामलों की जानकारी जुटाएंगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि



प्रदेश में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसकी रोकथाम के लिए बड़ी कार्ययोजना तैयार की गई। उन्होंने कहा कि पहले मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम को नगर विकास, ग्रामीण विकास और पंचायती राज जैसे विभागों से जुड़ा काम माना जाता था। अब स्वास्थ्य विभाग नोडल एजेंसी के तौर पर दूसरे विभागों के साथ मिलकर काम करता है। सभी विभाग मिलकर संचारी रोगों की रोकथाम के उपायों को जमीन पर लागू करते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूर्वांचल, खासकर गोरखपुर और आसपास के जिलों में इंसेफेलाइटिस लंबे समय तक बड़ी समस्या रही। अभियान के जरिए इस बीमारी पर लगातार काम किया गया। उनके मुताबिक, इससे जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों और इससे होने वाली मौतों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू और काला ज्वर को नियंत्रित करने में भी सफलता मिली है। डिप्टी सीएम ने कहा कि अभियान करीब एक महीने चलेगा। अभी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके बाद 12 अक्टूबर से घर–घर दस्तक अभियान शुरू होगा। अभियान को सफल बनाने के लिए लोगों का सहयोग जरूरी है। यह सिर्फ स्वास्थ्य विभाग या 13 विभागों के प्रयास से सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कई बीमारियां हमारी लापरवाही के कारण घर और शरीर तक पहुंचती हैं। मच्छर जनित रोगों के अलावा खान–पान और आसपास का वातावरण भी स्वास्थ्य पर असर डालता है। लोगों को सतर्क रहकर बीमारियों से बचाव करना होगा। डिप्टी सीएम ने लोगों से अपील की कि घर और आसपास पानी जमा न होने दें। उन्होंने कहा कि टूटे बर्तन, पुराने टायर, खिलौने और दूसरे सामान में पानी जमा होने पर मच्छर पनप सकते हैं। घर की खिड़कियों, कूलर और ऐसी जगहों पर भी ध्यान दें, जहां पानी जमा हो सकता है। उन्होंने कहा कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है और दिन में ही लोगों को काटता है। इसलिए आसपास सफाई रखकर मच्छरों को पनपने से रोकना जरूरी है। मच्छर नहीं होंगे तो मच्छर जनित रोगों से भी बचाव होगा। डिप्टी सीएम ने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि खान–पान और नियमित व्यायाम पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों में बचपन से अच्छी आदतें डालने की जरूरत है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन से ही व्यक्ति बेहतर तरीके से काम कर सकता है और समाज की सेवा कर सकता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि साफ–सफाई की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए। घर और कमरे में गंदगी नहीं होनी चाहिए। ऐसी चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए, जो शरीर के लिए नुकसानदायक हैं। आसपास सफाई रखकर मच्छरों को पनपने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि अगर अभियान में लोगों का पूरा सहयोग मिला तो डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों को पूरी तरह खत्म करने में सफलता मिल सकती है। इसके लिए सिर्फ वैक्सीन और दवाओं पर निर्भर रहने के बजाय लोगों को खुद भी सावधानी बरतनी होगी। आसपास का वातावरण साफ रखकर मच्छर जनित रोगों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत–मोठिन, वि0 ख0 रामपुर संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़।

पत्रांकः– /पंचायत/अन्त्येष्टि स्थल/निविदा/2026–27 दिनांक 2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत मोठिन विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ की ओर से वित्तीय वर्ष 2026–27 में उ0प्र0 के भवन निर्माण कार्यों के जनपद प्रतापगढ़ के ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोठिन विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़ में अन्त्येष्टि स्थल की ऑफलाइन सील बन्द निविदायें सामान्य निविदा प्रणाली के माध्यम से दिनांक 03.10.2026 समय प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 12.10.2026 को अपराह्न 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। दिनांक 03.10.2026 से दिनांक 09.10.2026 तक निविदा फार्म की बिक्री ग्राम पंचायत मोठिन कार्यालय एवं सहायक विकास अधिकारी (पं0) रामपुर संग्रामगढ़ में की जायेगी। सील बन्द निविदा दिनांक 12.10.2026 के अपराह्न 02:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत मोठिन विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के पंचायत भवन कक्ष में सीलबन्द निविदा बाक्स में डाली जायेगी। कार्यालय ग्राम पंचायत मोठिन के पंचायत भवन कक्ष में दिनांक 12.10.2026 को अपराह्न 3:00 बजे निविदा समिति तथा उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेगी। अवकाश की स्थिति में अगले कार्यदिवस में पूर्व निर्धारित समय पर निविदा खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्नवत हैः–

क्र0 सं0	विकास खण्ड का नाम	कराये जाने वाले कार्य का नाम	कार्य की स्वीकृति धनराशि (लाख में)	निविदा फार्म का मूल्य (रू0 में)	अर्नेस्ट डिपोजिट धनराशि	परफारमेन्स जमानत धनराशि (कुल निविदा धनराशि/प्रोजेक्ट लागत का 05 प्रतिशत)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रामपुर संग्रामगढ़	ग्राम पंचायत मोठिन में अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य (प्राक्कलन के अनुसार)	24.11 (02 प्रतिशत कन्सलटेंसी चार्ज सहित)	3616.00	24500.00	1.20 लाख	6 माह

सीलबन्द निविदा की शर्तें

1. प्रतापगढ़ में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार जिन्हे शासकीय भवन निर्माण कराये जाने का अनुभव है, वे निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकेंगे। अन्यथा सम्बन्धित निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2. शासनादेश संख्या 730/33–3–2022–11/2022 दिनांक 28.04.2022 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार पंचायतीराज विभाग से जुड़े पदाधिकारी/कर्मी/परिवार/सगा सम्बन्धी(जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत के कर्मी, जिला पंचायत राज अधिकारी, क्षेत्र पंचायत प्रमुख, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी(पं0), ग्राम पंचायत प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक, पंचायतीराज विभाग के कर्मी, विभाग में संविदा पर कार्यरत कर्मी) के पारिवारिक सदस्यों व रिश्तेदारों द्वारा निविदा प्रकिया में भाग नही लिया जायेगा। संज्ञानित होने पर निविदा निरस्त कर काली सूची में डालने की कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।
3. निविदा दाता फर्म को सरकारी/अर्द्धसरकारी भवन निर्माण का कम से कम 02 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।
4. समस्त निर्माण कार्य के दौरान वस्तु सेवा सम्बन्धित सम्बन्धी कर/शुल्क, लोडिग एवं अनलोडिग शुल्क उक्त धनराशि में सम्मलित है, पृथक से कोई धनराशि देय नहीं होगी।
5. निविदा दाता द्वारा निविदा के सापेक्ष निविदा मूल्य की धनराशि एन0ई0एफ0टी0/आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से ग्राम पंचायत मोठिन के ओ0एस0आर0 खाता संख्या **110204894382** आई0एफ0एस0सी0 कोड CNRB0018677 शाखा केनरा बैंक प्रतापगढ़ में जमा कर जमा रशीद के साथ निविदा प्रपत्र क्रय किया जायेगा। निविदा के सम्बन्ध में अर्नेस्ट डिपोजिट मनी एवं परफारमेन्स धरोहर धनराशि ग्राम पंचायत मोठिन विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़ के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट अथवा एफ0डी0आर0 बन्धक रखनी होगी।
6. निविदा को अपने समस्त अर्ह प्रमाण पत्र यथा जिलाधिकारी द्वारा निर्गत वैध हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण–पत्र, जी0एस0टी0 रजि0, निविदा शुल्क व निविदा जमानत की जमा रसीदें एवं अनुभव वैद्य प्रमाण पत्रों की फोटोकापी संलग्न करना अनिवार्य होगा। अन्यथा सम्बन्धित निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
7. फर्म/ठेकेदारों का निविदा स्वीकृति के उपरान्त उ0प्र0 भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम–1996 एवं उ0प्र0 नियमावली 2009 के अन्तर्गत श्रम विभाग में पंजीकरण कराकर कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
8. निविदा फार्म पर किसी भी प्रकार की कटिंग या ऊपर लेखन मान्य नहीं होगा। प्रत्येक निविदा फार्म पर दर का उल्लेख अंकों तथा शब्दों में करना होगा।
9. उपरोक्त कार्य में कार्यदायी संस्था ग्राम पंचायत है, ग्राम पंचायत द्वारा नियमानुसार कार्य किये जाने एवं कन्सल्टिंग इंजी0 के मापन के उपरान्त भुगतान किया जायेगा।
10. बिना जमानत धनराशि एवं बिना निविदा मूल्य के किसी भी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
11. निविदा की शेष नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध करायी जायेगी, जिसे अनिवार्य रूप से परिपालन किया जाना होगा।
12. किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकारी सक्षम प्राधिकारी/प्रशासक/निवर्तमान ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत मोठिन विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़ में निहित होगा।

सचिव
ग्राम पंचायत मोठिन
विकास खण्ड–रामपुर संग्रामगढ़
जनपद–प्रतापगढ़

प्रशासक/नि0 प्रधान
ग्राम पंचायत मोठिन
विकास खण्ड–रामपुर
संग्रामगढ़
जनपद–प्रतापगढ़

डीजीपी को ज्ञापन देने पुलिस मुख्यालय जा रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को पुलिस ने रोका

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य गुरुवार को डीजीपी को ज्ञापन देने पुलिस मुख्यालय जा रहे थे। इससे पहले ही गोमतीनगर स्थित पार्टी कार्यालय के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पार्टी के मुताबिक, मौर्य सुबह करीब 11 बजे पुलिस मुख्यालय के लिए निकले थे। स्वामी प्रसाद मौर्य के ज्ञापन में प्रदेश की कानून–व्यवस्था से जुड़े आठ मामलों का जिक्र किया गया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कई मामलों में नामजद आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। पार्टी ने इन मामलों में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। ज्ञापन में अयोध्या के कंदेला में श्रीराम लगन मौर्य हत्याकांड, गोंडा में विनोद साहनी हत्याकांड, कासगंज में पवन कोरी हत्याकांड, प्रतापगढ़ में अर्जुन गौतम हत्याकांड और बदायूं में राजेश कोरी हत्याकांड का जिक्र है। इसके अलावा सुल्तानपुर में मंगल कोरी और



उनके पूरे परिवार पर हमले, प्रतापगढ़ में सौरभ विश्वकर्मा हत्याकांड और सुल्तानपुर के अखंडनगर में राजन पर जानलेवा हमले का मामला भी ज्ञापन में शामिल है। अपनी जनता पार्टी ने मांग की है कि इन मामलों में नामजद आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाया जाए। ज्ञापन की प्रतियां मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव गृह, लखनऊ के जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त को भी भेजी गई हैं। आठों मामलों में नामजद आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए। हत्या और गंभीर आपराधिक मामलों में पुलिस कार्रवाई तेज की जाए। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। पीड़ित परिवारों को न्याय के साथ सुरक्षा भी दी जाए। आरोपियों की गिरफ्तारी में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। पुलिस कार्रवाई की निगरानी कर सभी मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कानून–व्यवस्था से जुड़े मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह डीजीपी कार्यालय में पूरे प्रदेश के पीड़ितों की बात रखने जा रहे हैं, ऐसे में लखनऊ पुलिस उनका ज्ञापन कैसे ले सकती है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले ही डीजीपी कार्यालय को उनके आने की सूचना दे दी गई थी और बताया था कि वह पीड़ितों के मामलों में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाएंगे। मौर्य ने कहा कि एक–एक महीने बीत जाने के बावजूद कई मामलों में एफआईआर में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने सवाल किया कि अयोध्या, गोंडा, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और बनारस जैसे जिलों के मामलों में लखनऊ पुलिस क्या कार्रवाई करेगी। उन्होंने पुलिसकर्मियों से यह भी पूछा कि क्या उन्हें डीजीपी ने ज्ञापन लेने के लिए अधिकृत किया है। मौर्य ने कहा कि अगर ज्ञापन लेना ही था तो डीजीपी कार्यालय से किसी अधिकृत अधिकारी को भेजा जाना चाहिए था।

अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय के शिक्षकों की समस्याओं को लेकर आन्दोलन किया जायेगा : प्रो. प्रदीप कुमार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुपुक्टा) की ओर से आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ में किया गया। इस प्रेस वार्ता में फेडरेशन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया और अनुदानित महाविद्यालय के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित मांग–पत्र व भावी आन्दोलन की रणनीति को विस्तारपूर्वक बताया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षक आन्दोलन में ढाई दशक पूर्व किन्हीं कारणों से एक बड़ा बिखराव हुआ था जिसके चलते शिक्षक आन्दोलन दो धड़ों फुपुक्टा और फुपुक्टा (रजिस्टर्ड) में विभाजित हो गया था। ढाई दशक बाद आज फिर फुपुक्टा के दोनों संगठनों का विलय और एकीकृत कार्यकारिणी बनना बेहद सुखद और शिक्षक आन्दोलन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करने वाला है। एकीकरण के बाद फेडरेशन की प्रबंध कार्यकारिणी सूची को डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, लखनऊ द्वारा पंजीकृतध्मान्यता प्रदान कर दी गई है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा और उच्च शिक्षक आन्दोलन अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों के अधिकारों, सम्मान तथा हितों की प्रभावी रक्षा के लिए एक सशक्त, संगठित, संघर्षशील, लोकतांत्रिक एवं प्रभावी शिक्षक संगठन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। ऐसे समय में फुपुक्टा के दोनों धड़ों का एक हो जाना यह विश्वास जगाता है कि उत्तर प्रदेश के शिक्षक आन्दोलन को नई दिशा, नई शक्ति एवं व्यापक एकता प्रदान करेगा तथा शिक्षकों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं सेवा संबंधी हितों की अधिक प्रभावी ढंग से रक्षा सुनिश्चित होगी। फुपुक्टा (रजिस्टर्ड) तथा फुपुक्टा ने अपनी–अपनी प्रबंध कार्यकारिणियों से इस विलय का प्रस्ताव पारित करने के बाद एक लंबी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए दोनों संगठनों को मिलाकर एकीकृत प्रबंध कार्यकारिणी का गठन किया। इस एकीकृत प्रबंध कार्यकारिणी को डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, लखनऊ मण्डल, लखनऊ द्वारा पंजीकृत,अनुमोदित करने की कार्यवाही भी पूर्ण की। इस एकीकृत कार्यकारिणी को संभव बनाने के लिए फुपुक्टा रजिस्टर्ड ने अपने संविधान में संशोधन किया और उनके तमाम पदाधिकारियों ने सहर्ष अपने पदों का त्याग किया, जिससे एकीकृत कार्यकारिणी के लिए रास्ता बनाया जा सका। एकीकृत कार्यकारिणी निम्नानुसार है–डॉ० हरेंद्र कुमार राय, संरक्षक, डॉ० वीरेन्द्र सिंह चौहान, अध्यक्ष, डॉ० हिमांशु सिंह, उपाध्यक्ष, डॉ० श्रीप्रकाश यादव, उपाध्यक्ष, डॉ० प्रदीप शर्मा, उपाध्यक्ष, डॉ० अजय कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष, डॉ० अर्चना दीक्षित, उपाध्यक्ष (महिला), डॉ० प्रदीप कुमार सिंह, महामंत्री, डॉ० टी० एस० चौहान, संगठन मंत्री, डॉ० डी० सी० कटियार, संयुक्त मंत्री, डॉ० गंगेश दीक्षित, संयुक्त मंत्री, डॉ० रवि चौरसिया, संयुक्त मंत्री, डॉ० अमित कुमार राय, संयुक्त मंत्री, डॉ० विनीता दुबे, संयुक्त मंत्री (महिला), डॉ० अनिल यादव, कोषाध्यक्ष, डॉ० मनीष हिन्दवी, कार्यालय सचिव एवं मीडिया प्रभारी, डॉ० डी०सी०डी०आर० पाण्डेय, सह–मंत्री, डॉ० श्यौराज सिंह, जोनल सेक्रेटरी, डॉ० भारतेंदु मिश्रा, जोनल सेक्रेटरी, डॉ० शिवकुमार सिंह, जोनल सेक्रेटरी, डॉ० आर एस यादव, जोनल सेक्रेटरी, डॉ० राकेश कुमार, जोनल सेक्रेटरी, वक्ताओं ने आगे बताया कि अब आन्दोलन को और गति प्रदान की जायेगी जिससे अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों के समक्ष उपस्थित चुनौतियों एवं समस्याओं का मुकाबला समय से हो सके।

पयामे इंसानियत फोरम ने अर्थदण्ड जमा कर जेल से 5 बंदियों को कराया रिहा

लखनऊ,संवाददाता। ऑल इंडिया पयामे इंसानियत फोरम (यूनिट लखनऊ) ने मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश करते हुए जिला कारागार लखनऊ (मोहनलालगंज) में निरुद्ध पांच जरूरतमंद सिद्धदोष बंदियों का अर्थदण्ड (जुर्माना) अदा कर उन्हें कारागार से सकुशल रिहा कराया। ये सभी बंदी अपनी न्यायिक सजा पूरी कर चुके थे, किंतु आर्थिक विपन्नता के कारण न्यायालय द्वारा लगाया गया जुर्माना भरने में असमर्थ थे और जेल में रहने को विवश थे। इस सेवा अभियान का नेतृत्व फोरम के वरिष्ठ पदाधिकारी जनाब शफीक चौधरी तथा इंजीनियर मुहम्मद साकिब द्वारा किया गया। इस मानवीय पहल में विश्वविख्यात इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम नदवतुल उलमा के छात्रों ने भी अत्यंत सक्रिय व सराहनीय सहयोग प्रदान किया। मुहिम के तहत फोरम के प्रतिनिधियों ने कारागार प्रशासन से विधिवत संपर्क स्थापित कर नियमानुसार कुल 23,000–(तेईस हजार रुपये) की अर्थदण्ड धनराशि जमा कराई। जिसके उपरांत जिला कारागार के मुख्य जेलर ऋतिक प्रियदर्शी एवं डिप्टी जेलर वीरेंद्र सिंह की उपस्थिति में सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर बंदियों को रिहा किया गया। जेल अधिकारियों ने पयामे इंसानियत फोरम के इस नेक मानवीय कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की तथा रिहा हुए बंदियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं अपराध–मुक्त भविष्य की कामना की। रिहा कराए गए बंदियों एवं जमा अर्थदण्ड का विवरण, अकबर अली पुत्र जैनुलअवदीन अर्थदण्ड राशि 1,000– सचिन कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार अर्थदण्ड राशि 10,000– मुक्तीम पुत्र शहजाद अर्थदण्ड राशि 1,000–सत्यम पुत्र सच्चिदानन्द अर्थदण्ड राशि 1,000– सिद्धार्थ उर्फ सिद्धि पुत्र बाल कुमाररू अर्थदण्ड राशि 10,000– (कुल जमा अर्थदण्ड 23,000–) इस अवसर पर अभियान के नेतृत्वकर्ता जनाब शफीक चौधरी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा बिना धर्म और जाति का भेद देखे मानवता की सेवा करना ही पयामे इंसानियत का मुख्य उद्देश्य है।

केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने फीडिंग इंडिया के पोषण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

स्वस्थ बच्चे ही सशक्त और उज्ज्वल भारत की नींव : केंद्रीय राज्यमंत्री

कमाल खान/प्रातःकाल एक्सप्रेस

बलरामपुर। जनपद में बच्चों को कुपोषण से सुरक्षित रखने तथा उनके बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जोमैटो/फीडिंग इंडिया द्वारा विकासखंड रेहरा बाजार की 21 ग्राम पंचायतों के 60 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को निःशुल्क, ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

बाबू आर.पी. वर्मा एजुकेशन एवेन्डमी, रेहरा बाजार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह जी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री जी द्वारा अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले रेहरा बाजार के 10 आंगनबाड़ी केंद्रों एवं 10 आशा कार्यकर्ताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह जी ने कहा कि बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य और उचित पोषण किसी भी सशक्त राष्ट्र की बुनियाद है। बच्चे स्वस्थ होंगे तो देश का भविष्य भी उज्ज्वल एवं सशक्त होगा। बच्चों को प्रारंभिक अवस्था में पर्याप्त एवं संतुलित पोषण उपलब्ध कराना उनके शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि झाग्हु ध्र्ह्रीं द्वारा देशभर में कुपोषण की चुनौती से निपटने एवं जरूरतमंद बच्चों तक पौष्टिक भोजन पहुंचाने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा देशभर में अब तक 30 करोड़ से अधिक भोजन उपलब्ध कराए जा चुके है।

उन्होंने कहा कि जनपद बलरामपुर के विकासखंड रेहरा बाजार में प्रारंभ की जा रही इस पहल के अंतर्गत प्रतिदिन लगभग 4,000 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इससे बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों पर उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाने और उन्हें स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा की अन्य सेवाओं से जोड़ने में भी सहायता मिलेगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री जी ने कहा कि कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार या किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है। इसमें प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, अभिभावकों एवं



स्थानीय समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण है। सभी के समन्वित प्रयास से प्रत्येक बच्चे तक बेहतर पोषण एवं स्वस्थ जीवन का अवसर पहुंचाया जा सकता है।

21 ग्राम पंचायतों के 60 आंगनबाड़ी केंद्रों को मिलेगा लाभ

कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड रेहरा बाजार की 21 ग्राम पंचायतों के 60 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को निःशुल्क, ताजा, गर्म एवं पोषणयुक्त नाश्ता तथा दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।पहल का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण की रोकथाम, उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने के साथ पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को और प्रभावी बनाना है।

अचलपुर चौधरी में केंद्रीय रसोई, 05 विशेष वाहनों से पहुंचेगा गर्म भोजन

कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए विकासखंड रेहरा बाजार के अचलपुर चौधरी में आधुनिक केंद्रीय रसोई स्थापित की जाएगी। यहां निर्धारित पोषण एवं स्वच्छता मानकों के अनुरूप प्रतिदिन ताजा एवं पौष्टिक भोजन तैयार किया जाएगा।

तैयार भोजन को 05 विशेष वाहनों के माध्यम से निर्धारित समय पर संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। भोजन तैयार करने से लेकर वितरण तक गुणवत्ता, स्वच्छता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।बच्चों को विविध एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने के लिए 12 दिवसीय रोटेशन मेन्यू तैयार किया गया है। इसमें पोहा, दूध का दलिया, इडली-सांभर, अमरंथ एवं केले की खीर, वेजिटेबल सेवई, गेहूं एवं रागी का दलिया, मौसमी फल, गुड़-चना सहित विभिनन्न पौष्टिक खादय पदार्थ शामिल है। दोपहर के भोजन में दाल, चावल, रोटी, मौसमी सब्जियां, पालक-बेसन कढ़ी, चना-पालक दाल, पनीर-वेजिटेबल पुलाव एवं अन्य संतुलित खादय पदार्थ उपलब्ध कराए जाएंगे।

तकनीक से होगी निगरानी, बच्चों के पोषण स्तर का नियमित मूल्यांकनङः

कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा। लाभाथिन्यों की उपस्थिति तथा भोजन वितरण की निगरानी के साथ बच्चों के वजन, लंबाई एवं अन्य पोषण संबंधी मानकों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजर एवं बाल विकास परियोजना से जुड़े कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के साथ प्रत्येक केंद्र पर भोजन की प्राप्ति का दैनिक सत्यापन एवं नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विशेष प्रयासों से जनपद में बच्चों को कुपोषण से सुरक्षित रखने एवं बेहतर पोषण उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल साकार हुई है।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी तथा संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे इसका लाभ लक्षित बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पहुंचे।

उन्होंने कहा कि इस पहल से आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल विकास के प्रभावी केंद्र के रूप में और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ने से उन्हें पोषण के साथ प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से भी प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकेगा।कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के आधार पर भविष्य में इसे चरणबद्ध रूप से अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों तक विस्तारित किए जाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।इस अवसर पर विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जोमैटो/फीडिंग इंडिया के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लेखपालों की हड़ताल से पोर्टल पर रिपोर्टिंग पूरी तरह ठप, वरासत और प्रमाण पत्र न बनने से हाहाकार

ओज़ैर खान, ब्यूरो प्रमुख, प्रातःकाल एक्सप्रेस

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आठ सूत्रीय मांगों को लेकर बीते 22 सितंबर से शुरू हुए कार्य बहिष्कार के चलते समूचे जनपद में राजस्व व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लेखपालों द्वारा अतिरिक्त हलकों के बस्ते कानूनगो व तहसील कार्यालयों में जमा किए जाने के बाद से शोहरतगढ़ समेत जिले की सभी तहसीलों में ई-डिस्ट्रिक्ट और राजस्व परिषद के पोर्टल पर कामकाज पूरी तरह ठप पड़ा है। 22 सितंबर से ही लेखपालों द्वारा किसी भी आवेदन पर स्थलीय जांच रिपोर्ट नहीं लगाई जा रही है, जिसके चलते आय, जाति, निवास और वरासत के सैकड़ों मामले पोर्टल पर अटके पड़े है। इस पूर्ण कार्य बहिष्कार का सीधा खामियाजा आम जनता, छात्रों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

लेखपाल संघ वेतनमान व ग्रेड पे उच्चीकरण, कानूनगो पद पर पदोननति सूची जारी करने, अंतर-मंडलीय स्थानांतरण नीति लागू करने, अतिरिक्त हलकों के अत्यधिक कार्यबोझ से मुक्ति और डिजिटल सर्वे कार्यों के लिए संसाधन उपलब्ध कराने जैसी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन पर है। 22 सितंबर से लेखपालों ने अतिरिक्त क्षेत्रों के बस्ते जमा कर पूरी तरह हाथ खींच लिए हैं। जिले में लेखपालों की भारी कमी के चलते अधिकांश हलकों की जिम्मेदारी अतिरिक्त प्रभार पर ही थी, ऐसे में 22 तारीख के बाद से ही ग्रामीण अंचलों में राजस्व संबंधी सत्यापन का काम पूरी तरह रुक गया है।

तहसील शोहरतगढ़ समेत पूरे जिले में 22 सितंबर से ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर कोई भी रिपोर्ट अग्रसारित नहीं की गई है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र के सभी नए व पुराने आवेदन पोर्टल पर लेखपाल स्तर पर ही फ्रीज हो चुके हैं। जनसेवा केंद्रों पर प्रतिदिन आवेदकों की कतारें लग रही हैं, लेकिन पोर्टल पर स्थिति में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। आम नागरिक और छात्र प्रतिदिन तहसील मुख्यालय और जनसेवा केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन लेखपालों के कलमबंद रवैये के चलते उन्हें सिर्फ मायूसी हाथ लग रही है।

22 सितंबर से जारी इस हड़ताल का बड़ा असर मृतक खातेदारों के स्थान पर वारिसों का नाम दर्ज कराने यानी वरासत के मामलों पर पड़ा है। राजस्व परिषद के पोर्टल पर दर्ज वरासत के आवेदनों पर भी लेखपालों द्वारा कोई रिपोर्ट नहीं लगाई जा रही है। इसके चलते जमीनों के दाखिल-खारिज, क्रय-विक्रय, किसान क्रेडिट कार्ड (खण्ण) नवीनीकरण और बैंक ऋण से जुड़े सभी कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। वारिस अपनी खतौनी दुरुस्त कराने के लिए तहसील में भटकने को मजबूर है।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और अंतिम तिथि नजदीक आ रही है। छात्रों का कहना है कि अंतिम दिनों में यूपी स्कॉलरशिप पोर्टल का सर्वर धीमा हो जाता है या पूरी तरह बैठ जाता है। 22 सितंबर से आय और जाति प्रमाण पत्रों की रिपोर्टिंग ठप होने के कारण छात्र ऑनलाइन फॉर्म भरने से वंचित हो रहे हैं। यदि समय रहते प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए, तो हजारों छात्रों की छात्रवृत्ति छूट जाएगी। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं और विभिनन्न भर्ती प्रक्रियाओं के अभ्यर्थी भी प्रमाण पत्र न मिलने से बेहद परेशान हैं।

कर्मचारी संघ और शासन के बीच चल रहे इस टकराव में 22 तारीख से जनता के जरूरी काम पूरी तरह बंधक बने हुए हैं। जब 22 सितंबर से पोर्टल पर एक भी रिपोर्ट नहीं लग रही है, तो जिला प्रशासन द्वारा अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था न किया जाना प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है। जिले भर में मांग उठ रही है कि छात्रवृत्ति और आवश्यक पत्रावलियों को देखते हुए राजस्व निरीक्षकों (कानूनगो) को जिम्मेदारी देकर त्वरित सत्यापन कराया जाए।

मामले को लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शोहरतगढ़ राजेश कुमार ने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि समस्या का समाधान हो, यह पूरे उत्तर प्रदेश का मामला है। हालांकि, पूरे प्रदेश की समस्या का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के बीच बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि 22 सितंबर से शोहरतगढ़ और जिले भर में ठप पड़ी रिपोर्टिंग व हजारों लंबित आवेदनों के निस्तारण के लिए तहसील स्तर पर राजस्व निरीक्षकों (कानूनगो) या अन्य वैकल्पिक कमिन्यों की तैनाती सुनिश्चित कर राहत देने का ठोस प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा।

जय किसान इंटर कॉलेज में पॉक्सो एक्ट पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बच्चों को बताए कानूनी अधिकार

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर द्वारा चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई में छात्र-छात्राओं के मध्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शैलेंद्र नाथ ने की।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए सचिव शैलेंद्र नाथ ने पॉक्सो अधिनियम 2012 के प्रमुख प्रावधानों और इसके कानूनी परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को लैंगिक उत्पीड़न, हमलों और अपराधों से पूर्ण संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को 'गुड टच और बैड टच' के अंतर को समझाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का अनुचित स्पर्श, अशोभनीय व्यवहार



या संदिग्ध संदेश मिलने पर चुप न रहें और न ही इसे अपनी गलती समझें। ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा जिम्मेदार अधिकारियों को दें, क्योंकि घटना को छिपाने के बजाय समय पर सूचना देना सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

उन्होंने विद्यार्थिन्यों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी सचेत किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन माध्यमों पर अनजान व्यक्तियों से दूरी बनाएं, निजी फोटो, वीडियो या व्यक्तिगत जानकारी कभी साझा न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। सोशल मीडिया पर किसी भी अवांछित गतिविधि की सूचना तत्काल परिवार के किसी जिम्मेदार व्यक्ति को दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि कानून बच्चों की सुरक्षा के लिए है और जरूरत पड़ने पर उन्हें त्वरित विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जयराम ने कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग दिया। उन्होंने विद्यार्थिन्यों से इस अभियान से मिली जानकारियों को अपने परिवार व समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पीएलवी सिद्धार्थ कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सचिव ने बताया कि 25 सितंबर से 01 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत जनपद के विभिनन्न विद्यालयों में बच्चों को पॉक्सो एक्ट के प्रति जागरूक किया गया है।

बाढ़ प्रभावित संगलदीप और बैरवानानकार पहुंचे डीएम, फसल सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने के दिए निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सिद्धार्थनगर। जिले में बाढ़ के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने गुरुवार को तहसील नौगढ़ क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्राम संगलदीप तथा बैरवानानकार का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर बाढ़ की स्थिति और उससे उत्पनन्न समस्याओं की जानकारी ली।

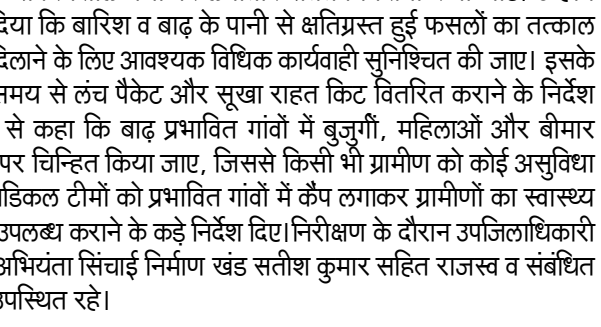
जिलाधिकारी ने उपस्थित ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ खड़ा है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील बंधों पर लगातार सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने उपजिलाधिकारी नौगढ़ को निर्देश दिया कि बारिश व बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही प्रभावित ग्रामीणों के बीच समय से लंच पैकेट और सूखा राहत किट वितरित कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों में बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया जाए, जिससे किसी भी ग्रामीण को कोई असुविधा न हो। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को प्रभावित गांवों में कैंप लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी नौगढ़ निखिल चक्रवर्ती, अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड सतीश कुमार सहित राजस्व व संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय से चंद कदम दूर सड़क के बीचों-बीच गड्ढा, राहगीर चोटिल, लोगों ने गाड़ा लाल झंडा

प्रातः काल एक्सप्रेस ब्यूरो कुशीनग

कुशीनगर-ः सरकार के गड्ढामुक्त सड़क के दावे की पोल पडरौना-कसया मार्ग पर खुल रही है। रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सड़क के बीचों-बीच बड़ा गड्ढा बन गया है, जिससे राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई है।





स्थानीय लोगो के अनुसार गड्ढे में गिरकर कई राहगीर चोटिल हो चुके है और हर समय बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि यह सड़क जिला मुख्यालय से चंद कदम की दूरी पर है और इसी मार्ग से रोजाना अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का आना-जाना होता है, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी अनदेखी कर रहे है।

स्थानीय लोगों ने मजबूरन गड्ढे के बीच डंडा गाड़कर लाल झंडा लगा दिया है ताकि आने-जाने वाले लोग हादसे से बच सकें।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत के बावजूद मरम्मत नहीं हो रही है, जिससे सरकार के निर्देशों की खुली अनदेखी हो रही है और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है।

वही इस मामले को लेकर अधिवक्ता अजय कुमार सिंह व प्रधान पंकज मल्ल ने कहा की मेरे समाज की विडंबना है की ऐसे ऐसे जन प्रतिनिधि चुन कर आये है की उनको केवल अपने आप से मतलब है जानता के दुख दर्द से इनको कुछ लेना देना नहीं है कसया पडरौना मुख्य मार्ग जो है जगह जगह गड्ढे है राहगीर घटना के शिकार हों रहे है हम जन प्रतिनिधियों और सांसद अधिकारी गण से मांग करते है की इन सड़को को गड्ढा मुक्त किया है इसका जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाय।

बाढ़ से 30 मीटर सड़क धंसी, कई गांव जलमग्न, ग्रामीणों ने सांसद-विधायक और जिला प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

प्रातः काल एक्सप्रेस ब्यूरो कुशीनगर

कुशीनगर-ः सिसवा नाहर-अहिरौली दान मार्ग पर बाढ़ ने कहर बरपाया है। कोदो मिश्रा के कुंड के पास टू-लेन सड़क का करीब 30 मीटर हिस्सा टूटकर बह गया है। अहिरौली दान से बाहर मठिया श्रीराम बॉर्डर के पास सड़क धंसने से कई गांवों में नदी का पानी घुस गया है और सैकड़ों परिवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।सड़क टूटने के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया।



ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जनप्रतिनिधियों पर अनदेखी का आरोप

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने स्थानीय सांसद स्थानीय शशांक मणि,विधायक डॉ असीम राय और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ से पहले कई बार तटबंध की मरम्मत और सड़क को मजबूत करने की मांग की गई थी, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली।ग्रामीणों ने कहा कि हर साल बाढ़ में यही स्थिति होती है, लेकिन जनप्रतिनिधि केवल निरीक्षण कर चले जाते हैं, स्थायी समाधान नहीं होता। जिला प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समयु रहते न तो चेतावनी दी गई और न ही बचाव के इंतजाम किए गए, जिससे आज गांवों में पानी घुस गया।

टूटे हुए हिस्से से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था और सड़क की मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है और वे आंदोलन को मजबूर होंगे।

धनगढ़िया गो संरक्षण केंद्र के वायरल वीडियो की जांच करने पहुंचे अधिकारी, शिकायतें मिलीं निराधार

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सिद्धार्थनगर। विकास खंड जोगिया एवं तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत वृहद गो संरक्षण केंद्र धनगढ़िया में गोवंशों की दुर्दशा को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक व पशु चिकित्सा टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय जांच की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 अक्टूबर 2026 को हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने धनगढ़िया गोशाला के भीतर का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। वीडियो में गोशाला परिसर में गोवंशों के कंकाल दिखने, शवों को नियमानुसार दफन न करने, पर्याप्त भूसा-दाना न देने और अत्यधिक गंदगी होने के आरोप लगाए गए थे।

सूचना मिलते ही खंड विकास अधिकारी जोगिया और पशु चिकित्साधिकारी जोगिया ने तत्काल हिंदू रक्षा दल के सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से धनगढ़िया गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला का संचालन कर रहे 'अध्ययन चैरिटेबल ट्रस्ट बस्ती' के प्रतिनिधि राघव कुमार मिश्रा और सभी केयर टेकर मौके पर उपस्थित मिले।

जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो में लगाए गए अधिकांश आरोप सत्य नहीं पाए गए। 01 अक्टूबर को एक गोवंश की मृत्यु हुई थी, जिसे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए नियमानुसार दफन कराया गया। गोदाम में 25 क्विंटल भूसा और 24 क्विंटल दाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिला। इसके साथ ही अधिकारियों ने गोशाला संचालक को गोवंशों के समुचित भरण-पोषण, नियमित साफ-सफाई और हरे चारे की निर्बाध व्यवस्था बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए।

विश्व वृद्धजन दिवस पर जिला अस्पताल में संगोष्ठी, स्वस्थ और गरिमापूर्ण वृद्धावस्था पर जोर

डॉ0 रईस अहमद उस्मानी
प्रातःकाल एक्सप्रेस

लखीमपुर खीरी 01 अक्टूबर विश्व वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल, लखीमपुर खीरी में गुरुवार को संगोष्ठी आयोजित कर वृद्धजनों के बेहतर स्वास्थ्य, सम्मानजनक जीवन और सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूक किया गया। इस वर्ष विश्व वृद्धजन दिवस की थीम 'दीर्घायु का युगरू लंबी उम्र के लिए व्यवस्थाओं पर पुनर्विचार' है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएमएस डॉ. आरके कोली ने कहा कि वृद्धावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है और इसे बीमारी के पर्याय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को समय पर चिकित्सा सुविधा, परिवार का सहयोग और समाज में सम्मान मिले तो वे लंबे समय तक स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन जी सकते हैं। अस्पताल में आने वाले बुजुर्ग मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने



और आवश्यकतानुसार जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

डॉ. रचित मिश्रा ने वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। बुजुर्गों को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवाएं लेने तथा बिना चिकित्सकीय परामर्श दवाओं को बंद न करने की सलाह दी।

डॉ. शिशिर पांडेय ने कहा कि वृद्धजनों के स्वास्थ्य में मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक स्वास्थ्य की। उम्र बढ़ने के साथ अकेलापन, सामाजिक दूरी, नींद में बदलाव, चिंता, उदासी तथा याददाश्त संबंधी परेशानियां सामने आ सकती है।

डॉ शिखर बाजपेई ने कहा कि स्वस्थ वृद्धावस्था की शुरुआत दैनिक जीवनशैली से होती है। संतुलित एवं पौष्टिक आहार, पर्याप्त पानी, नियमित हल्का व्यायाम अथवा टहलना, पर्याप्त नींद, नशे से दूरी और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण बुजुर्गों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि वृद्धजनों की देखभाल केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संगोष्ठी में डेंटल सर्जन डॉ इंद्रेश राजावत, अतुल कुमार पाण्डेय, विवेक मित्तल, पंकज शुक्ला, सुरेंद्र कश्यप, नीरज कुमार, सरिता एवं समस्त नर्सिंग स्टाफ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मादक पदार्थों की थोक एवं फुटकर बिक्री की दुकान आज रहेगी बंद

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने जारी अपने आदेश के तहत आबकारी अनुज्ञापन नियमावली के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार 14 अप्रैल अम्बेडकर जयन्ती, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर गांधी जयन्ती तथा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आबकारी की समस्त दुकानों को बन्द रखने का प्राविधान है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 02 अक्टूबर 2026 (गांधी जयन्ती) के अवसर पर जनपद के समस्त थोक अनुज्ञापन एफ0एल0-2ध्2बी, सी0एल0-2 तथा समस्त फुटकर अनुज्ञापन (समस्त देशी मदिरा (सी0एल0-5सी0)ध्सी0एल0-5सी0सी0)ध् कम्पोजिट शॉपध् मॉडल शॉपध् भांगध्ताड़ी) एवं समस्त बार अनुज्ञापन एफ0एल0-6 (समिश्र), एफ0एल0-7 को बन्द रखना आवश्यक है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हुआ आगाज, डीएम ने किया शुभारंभ

शहर से गुजरी जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहन, किया जागरूक

डॉ0रईस अहमद उस्मानी
प्रातःकाल एक्सप्रेस

लखीमपुर खीरी 01 अक्टूबर। गुरुवार को कलेक्ट्रेट से ष्संचारी रोग नियंत्रण अभियानष् की भव्य शुरुआत हुई। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता संग अभियान का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके बाद जन जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहनों का फ्लैग ऑफ कर रवाना किया।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम में जागरूकता सबसे कारगर हथियार है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों और विभागीय टीमों से अपील की कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर लोगों को मच्छरों से बचाव, सफाई, और इलाज से जुड़ी जरूरी जानकारी दें। डीएम ने कहा कि यह सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है। सभी विभाग परस्पर समन्वय बनाकर काम करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति झोलाछाप डॉक्टरों के चक्कर में न पड़े। संचारी रोग के लक्षण दिखते ही सरकारी अस्पताल से संपर्क करें। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 से 31 अक्तूबर तक चलेगा, जबकि 'घर-घर दस्तक अभियान' 11 अक्तूबर से शुरू होगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहयोगी विभाग शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।

टीमें सफाई, मच्छरजनित बीमारियों से बचाव और संभावित मरीजों की पहचान पर विशेष ध्यान देंगी। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डिप्टी सीएमओ (वेक्टर बोर्न डिजीज)डॉ. प्रमोद वर्मा, डीपीएम अनिल यादव, एसएमओ डॉ विकास, जिला मलेरिया अधिकारी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

झांकियों ने मोहा मन, बरोसा-पकरिया में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रातःकाल एक्सप्रेस

हरगांव, सीतापुर। ग्राम बरोसा-पकरिया में 26वां जलविहार महोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। महोत्सव के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण पहुंचे। पूरे गांव में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

महोत्सव को सफल बनाने में मेला कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के दौरान धनमान सिंह, अमरेश सिंह, अमर पाल सिंह, कुशल पाल सिंह, केदार सिंह, मनोज सिंह, छत्रपाल सिंह, लाल सिंह, रामनाथ सिंह, राजू सिंह और अनन्नू सिंह सहित कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन में धर्मपाल सिंह, वीरपाल, राकेश, रामप्रसाद, गुलशन, शनि, कुलदीप और विकास ने विशेष सहयोग किया। मेला कमेटी ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

केएस स्पोर्ट्स टी-20 क्रिकेट कल से

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। केएस स्पोर्ट्स की ओर से 30 प्लस कलर ड्रेस टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता तीन अक्टूबर से बीपीएस क्रिकेट क्लब झूंसी में शुरू होगी। लीग में केवल 30 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ी ही प्रतिभाग कर सकेंगे।आयोजन सचिव विपिन कुमार यादव के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमें केएस स्पोर्ट्स, कटरा में या विपिन यादव से मोबाइल नंबर (8299373190 एवं 8924895155) पर संपर्क पंजीकरण करा सकती है।

जिला स्तरीय स्केटिंग चयन ट्रायल कल

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रयागराज रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से 3 अक्टूबर को जॉर्ज टाउन स्थित स्टैंडर्ड रोलर स्केटिंग रिंक पर जिला स्तरीय स्पीड स्केटिंग चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। ट्रायल दोपहर 3 बजे से विभिन्न आयु वर्गों के बालक-बालिकाओं के प्रोफेशनल क्वाड और इनलाइन वर्ग में होगा।

चयनित खिलाड़ी 23 से 26 अक्टूबर तक मेरठ में आयोजित होने वाली 12वीं राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में प्रयागराज जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। एसोसिएशन के अनुसार ट्रायल में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ियों को जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य है। आवेदन 2 अक्टूबर तक किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक खिलाड़ी शाम 5 बजे स्टैंडर्ड रोलर स्केटिंग रिंक पर एसोसिएशन के सचिव हर्ष गुप्ता से संपर्क कर सकते है।

विंध्य एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु क्रय कमेटी की बैठक में किसानों को चार गुना मुआवजा देने का निणय्

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर। विंध्य एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा गठित क्रय कमेटी की बैठक तहसील चुनार सभाकक्ष में आयोजित की गई।तहसील चुनार में विंध्य एक्सप्रेस-वे से प्रभावित कुल 35 ग्रामों के काश्तकारों को दर सर्किल दर के बारे में अवगत कराया गया। जिसमें सर्किल दर का चार गुना भूमि की प्रकृति के अनुसार मुआवजा दिये जाने व संरचना भवनों का मूल्यांकन वर्तमान दर पर दिये जाने का निणय्य लिया गया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी चुनार अनेग सिंह, उपनिबंधक चुनार, अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के दोषी बबुन्दर को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सोनभद्र। करीब 7 वर्ष पूर्व महिला को शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म किए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसीध्सीएडब्लू , सोनभद्र बिपिन कुमार तृतीय की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी बबुन्दर को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 25 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक घोरावल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने 17 अक्तूबर 2019 को कोर्ट में 156(3) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि उसके पति वर्ष 2006 से नासिक महाराष्ट्र में कार्य करते है। समय समय पर वे घर आते है और उसके खाते में पैसा भेजते रहते है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्की को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दुष्कर्म के दोषी बबुन्दर को 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

आगामी चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की कई दलों के नेताओं ने मुलाकात

प्रातःकाल एक्सप्रेस



प्रयागराज। उत्तर-प्रदेश। आगामी चुनाव को लेकर सरगर्मी गरमाई तेज हुई है चुनाव से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर और भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम चंद्र प्रजापति व राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ.महेश चंद्र प्रजापति ने की मुलाक़ात, इस दौरान कई विषयों पर तमाम राजनैतिक व तमाम समाजिक चुनावी मुद्दों को लेकर वार्तालाप हुई।

इलाहाबाद-झांसी स्नातक क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर का हुआ भव्य स्वागत, अभिनंदन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। भाजपा के सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में इलाहाबाद -झांसी सनतक क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर का आज भव्य स्वागत, अभिनंदन हुआ। इलाहाबाद -झांसी सनतक क्षेत्र चुनाव के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता व विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह चैहान ने कहा कि चुनाव पूरी मजबूती से लड़ना है। जिलों के जिला प्रभारी, जिला संयोजक, विधानसभा संयोजक दो दिन के अंदर अपने जिला व विधानसभा स्तर पर पोलिंग इंचार्जों के साथ बैठक कर ई पर्ची मतदाताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दूर वाले मतदाता पोलिंग बूथ तक कैसे आयेंगे इसकी भी चिंता करें। कमर कस लें। मतदाताओं से संपर्क संवाद में ढिलाई न बरते। मंडल अध्यक्षों को भी अपने अपने मंडल में पूरी निष्ठा व ताकत से लगना है। पांच अक्टूबर को होने वाले नामांकन को भव्य बनाने को लेकर कार्यकर्ता पूरी तैयारी कर लें। इलाहाबाद -झांसी सनतक क्षेत्र चुनाव के संयोजक अशोक राजपूत ने कहा कि संगठन का निणय्य सर्वोपरि है। हम जीत का परचम लहराएंगे ये पूरा विश्वास है। पार्टी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ सनतक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव लड़ेंगे। बैठक का संचालन काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष एवं इलाहाबाद झांसी सनतक क्षेत्र चुनाव के सह संयोजक अवधेश चंद्र गुप्ता ने किया। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, कौशाम्बी जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, प्रयागराज महानगर जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी, यमुनापार प्रभारी अशोक मिश्रा, गंगापार प्रभारी अनिल सिंह सहित चारों जिलों के जिला व विधानसभा संयोजक, भाजपा महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय, विजय श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

नेशनल चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस नोडल स्तर प्रतियोगिता- 2026

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। बाल विज्ञान कांग्रेस नोडल स्तर प्रतियोगिता हमीदिया गर्ल्स इण्टर कालेज में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में गौरी पाठशाला इण्टर कालेज, गौस मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज, महिला उद्योग इण्टर कालेज, महिला ग्राम इण्टर कालेज तथा मजीदिया इस्लामिया इण्टर कालेज ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कालेजों की छात्राओं द्वारा 20 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये गए। इनमें से 6 प्रोजेक्ट जूनियर वर्ग तथा 7 प्रोजेक्ट सीनियर वर्ग में जिला स्तर पर चयनित किए गए। कार्यक्रम की इंचार्ज साइंस टीचर शीरीन आसिफ के नेतृत्व एवं साइंस अध्यापिका नाजिश अनवर, बुशरा स्वालेह, खुशनूदा फारुकी, शबीना खातून एवं फरहा उस्मानी के सहयोग से कार्यक्रम किया गया। शबाल विज्ञान कांग्रेसश् नोडल स्तर में मजीदिया इस्लामिया इण्टर कालेज की अध्यापिका राहिल फातिमा, बुशरा अजीज एवं किदवई गर्ल्स इण्टर कालेज की शगुफ्ता इनाम एवं नगमा शमी ने निर्णायक मंडल में शामिल रहीं । कालेज की प्रधानाचार्या हमीदा बानों ने कालेज की अध्यापिकाओं और प्रतिभागी छात्राओं को सफलता के लिए बधाई दी एवं निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों धन्यवाद किया।

4 अक्टूबर को होगा चयन ट्रायल

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। 21वीं उत्तर प्रदेश सीनियर पुरुष एवं महिला सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन 16 एवं 17 अक्टूबर 2026 को महोबा जनपद में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए प्रयागराज जिले की सीनियर पुरुष एवं महिला टीम का चयन 4 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।जिला प्रयागराज सेपक टकरा एसोसिएशन के अनुसार चयन प्रक्रिया शाम 4 बजे अग्रसेन इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित होगी। इच्छुक खिलाड़ी चयन में भाग लेने के लिए निर्धारित समय पर मैदान पर पहुंच सकते हैं।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को लेकर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस



मीरजापुर। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य 11 विभागों द्वारा जागरूकता अभियान का शुभारम्भ, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं समस्त अपरमुख्यध्उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिकारियों तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जनपद में कहीं भी जलजमाव न होने दिया जाये, नालियों की नियमित सफाई, फागिंग एवं एण्टीलार्वल गतिविधियों को युद्धस्तर पर चलाया जाये। आशा कार्यकर्ता घर-घर दस्तक देकर लोगों को मच्छरों से बचाव, साफ-सफाई एवं मच्छरदानी के प्रयोग हेतु जागरूक करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 कीर्ति कुमार मिश्र के द्वारा जनपद वासियों एवं समस्त प्रतिभागी विभागों से अपील कि संचारी रोगों के रोक थाम एवं बचाव हेतु शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करें।

जिसमें नगर पालिका परिषद मीरजापुर एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वेक्टर जनित बीमारियों के वाहक को नियंत्रण में प्रयोग की जानी वाली फागिंग मशीनध्एण्टीलार्वल मशीन का प्रदर्शन किया गया, साथ ही साथ डेंगू, मलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित बीमारियों के नियंत्रण हेतु पम्पलेट का वितरण किया गया।जिला मलेरिया अधिकारी श्री संजय कुमार द्विवेदी समस्त वी0बी0डी0 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे। रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, मीरजापुर से आरम्भ होकर मण्डलीय चिकित्सालय मीरजापुर में समाप्त की गयी।

अर्न्तराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम में जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मीरजापुर। वरिष्ठ नागरिक दिवस कि अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर द्वारा वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों के साथ कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर आनन्द कुमार- ।। की माता श्रीमती कमला देवी एवं अभिषेक सिंह सिविल जज की माता श्रीमती सीता देवी द्वारा वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वरिष्ठ नागरिकों को सन्ेह एवं सम्मानपूर्वक अंगवस्त्र प्रदान किये गये तथा वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया तथा उनके साथ आत्मीय समय व्यतीत किया। इस पहल के माध्यम से अभिषेक सिंह अपने स्वर्गीय पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये वृद्धजनों के प्रति सेवा एवं सम्मान का संदेश दिया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर नें की वरिष्ठ नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सेवाओं के संबंध में तथा जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने के लिये जागरूक किया, तथा वरिष्ठ नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि विधिक अधिकारों से संबंधित किसी भी समस्या के लिये वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श प्राप्त कर सकते है। उन्होनें



वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की।

यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों के प्रति समाज में सम्मान, अपनत्व एवं मानवीय संवेदना को बढ़ाना देने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा। कायक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश त्रिपाठी, पराविधिक स्वयं सेवक विष्णु गुप्ता, कल्पना, रेखा कुमारी तथा वृद्धाश्रम के अध्यक्ष चन्द्रपाल एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहें।

याद किए गए वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव

जनसेवक एवं समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव की आठवीं पुण्यतिथि पर बडी संख्या में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। जनसेवक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव की आठवीं पुण्यतिथि पर उन्हें आज भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बडी संख्या में लोगों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचे और उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव जनसेवा और समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले व्यक्तित्व के थे। उनकी सादगी, शालीनता और सहज व्यवहार से पूरा जिला परिचित था। वह हमेशा दूसरों की सहायता के लिए आगे रहते थे और अपने व्यवहार से लोगों के बीच विशेष स्थान बनाए हुए थे।

उन्होंने समाज के साथ-साथ अपने परिवार को भी सदैव एक मुट्ठी में बांधकर रखा। परिवार के सभी सदस्यों को साथ लेकर



चलना, आपसी प्रेम और एकता बनाए रखना तथा सभी को मिल-जुलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देना उनके व्यक्तित्व की विशेषता थी। वह स्वयं भी साथ चलते थे और दूसरों को भी साथ लेकर चलने की प्रेरणा देते थे।

वह मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज, जमुनीपुर के पूर्व प्रबंधक भी रहे। अपने प्रबंधकीय कार्यकाल में उन्होंने विद्यालय के विकास और उसकी प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके द्वारा स्थापित सेवा, अनुशासन और सामाजिक सरोकार के मूल्यों को आज भी सम्मानपूर्वक याद किया जाता है। विद्यालय के प्रबंधक और वरिष्ठ भाजपा नेता जयंत श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में भी पूर्व प्रबंधक एवं समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव की

आठवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।उनका सरल, सहज, सेवाभावी और मिलनसार व्यक्तित्व सदैव लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर बुंदेलखंड क्रांति दल ने सौंपा ज्ञापन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी। पृथक बुंदेलखंड राज्य के गठन की मांग को लेकर बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में गांधी पार्क, कचहरी चौराहा पर धरना-प्रदर्शन एवं सभा का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया।

सभा को संबोधित करते हुए कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड के युवाओं के सामने रोजगार का गंभीर संकट है। क्षेत्र में खनिज संपदा का बड़े पैमाने पर दोहन होने के बावजूद इसका पर्याप्त लाभ स्थानीय जनता और युवाओं को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और स्थानीय विकास की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए पृथक बुंदेलखंड राज्य का निर्माण आवश्यक है।



अलग राज्य बनने से क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग स्थानीय विकास और रोजगार सृजन के लिए बेहतर ढंग से किया जा सकेगा।मो. नईम मंसूरी, राज सिंह शेखावत, प्रमोद सिंह एवं जगदीश विश्वकर्मा ने भी सभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने बुंदेलखंड के विकास, रोजगार तथा प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय अधिकार के लिए पृथक राज्य के गठन की मांग उठाई।

प्रधानमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक स्वरूप का उल्लेख करते हुए बताया गया कि 12 मार्च 1948 को 35 रियासतों को मिलाकर पृथक बुंदेलखंड एवं बघेलखंड राज्य का गठन किया गया था, जिसकी राजधानी नौगांव थी। ज्ञापन के अनुसार वर्ष 1956 में राज्य पुनर्गठन के दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में विभाजित कर दिया गया।

ज्ञापन में 27 अप्रैल 2014 को झांसी में लोकसभा चुनाव के दौरान उमा भारती द्वारा पृथक बुंदेलखंड राज्य के संबंध में किए गए वादे का भी उल्लेख किया गया। संगठन ने केंद्र सरकार से बुंदेलखंड राज्य के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की।

इस दौरान मनसुख राय, आरिफ कमाल, मो. अज्जू खान, हनीफ खान, राजेंद्र सिंह चौहान, अलख प्रकाश साहू, कालीचरण श्रीवास, देवेंद्र अहिरवार, प्रमोद सिंह शेखावत, लक्ष्मीनारायण श्रीवास, कुंती राय, जमीन हुसैन, दुर्गा प्रसाद, गुलाब सिंह चौहान, भरत राजा, शमशुद्दीन राय, खेमचंद्र कुशवाहा, जाकिर राइन, प्रेम कुशवाहा, लाला राम कुशवाहा, बृज किशोर, अनिल सिंह शेखावत, मुकेश राजपूत एवं दीपक सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन मो. नईम मंसूरी ने किया तथा आभार राज सिंह शेखावत ने व्यक्त किया।

सहरिया समुदाय के उत्थान को लेकर डीएम ने किया संवाद, बोले- अब समय बदलाव का

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झाँसी। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने गुरुवार को विकासखंड बबीना के ग्राम खैलार, सिमरावारी और बड़ोरा का भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। ग्राम खैलार में ग्राम निधि से निर्मित कंप्यूटर लैब का शुभारंभ करते हुए उन्होंने बच्चों से संवाद किया और शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को भी शामिल करने का सुझाव दिया।

ग्राम सिमरावारी में जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत एवं नगर निगम के बीच हुए एमओयू के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का शुभारंभ किया। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने ग्रामीणों और व्यापारियों से कूड़ा निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से देने की अपील की। इसके बाद डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन कर बच्चों



को उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम बड़ोरा में आयोजित जन चौपाल में जिलाधिकारी ने सहरिया समुदाय की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। सहरिया बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। सहायक कलेक्टर एवं बीडीओ बबीना आयुष सैनी के प्रयासों से चिन्हित सहरिया बच्चों को जन्म प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली गई तथा बच्चों का अनन्प्राशन कराया गया।

पेयजल समस्या सामने आने पर डीएम ने संबंधित अवर अभियंता को तत्काल मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब समय केवल बातों का नहीं, बल्कि बदलाव का है। सहरिया समुदाय अपने उत्थान एवं विकास के लिए आगे आए, प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, सहायक कलेक्टर एवं बीडीओ बबीना आयुष सैनी, जिला पंचायत राज अधिकारी, संबंधित प्रशासक एवं सचिव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में तीन जिलों की संयुक्त बैठक

बूथ स्तर तक संपर्क और एकजुटता पर दिया जोर

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झाँसी। इलाहाबाद-झाँसी (प्रयागराज-झाँसी) खंड स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकृत प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में झाँसी, जालौन और ललितपुर के पार्टी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि एमएलसी मानवेंद्र सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय होकर स्नातक मतदाताओं से सीधा संपर्क करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है और कार्यकर्ता केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा शिक्षा एवं युवाओं से जुड़ी उपलब्धियों की जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर प्रत्याशी के समर्थन में प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाने की बात कही।

भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर ने पार्टी नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे स्नातकों, शिक्षकों और युवाओं की समस्याओं को विधान परिषद में प्रमुखता से उठाने तथा उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

बैठक में एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, बाबूलाल तिवारी, रमा निरंजन, अशोक राजपूत, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह पटेल, क्षेत्रीय मंत्री सहित महानगर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, जालौन जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, ललितपुर जिलाध्यक्ष हरीशचंद रावत, चुनाव संयोजक-सह संयोजक एवं बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1150 बच्चों ने एक साथ गाया राष्ट्रीय समूहगान, गूंजा देशभक्ति का स्वर



प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत विकास परिषद मणिकर्णिका शाखा द्वारा महारानी लक्ष्मी बाई जूनियर हाईस्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1150 बच्चों ने एक साथ सामूहिक राष्ट्रीय समूहगान प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रचेतना से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. स्वप्निल मोदी ने की, जबकि मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय मोदी रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या माला मेहरोत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से हुआ। इसके बाद 'रघुपति राघव राजा राम' का सामूहिक गायन किया गया। विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, आदर्शों और राष्ट्रसेवा पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद 1150 बच्चों ने एक साथ 'एक-एक पग बढ़ते जाएं' गीत का सामूहिक गायन किया, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा।अतिथियों ने विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन, देशप्रेम और राष्ट्रसेवा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अंजना तिवारी, हेमलता सक्सेना, राखी बसंतानी, प्रियंका राय, गगनदीप, धीरज गोस्वामी, मोहित पोरवाल, नवनीत दीक्षित, आर.एन. उपाध्याय, सुनील सिंह भदौरिया, देवेंद्र तोमर, नवल शर्मा, संतोष दुबे, मुकेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में वंदना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर, 64 ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में रोटरी क्लब झांसी, 56 यूपी बटालियन एनसीसी एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं रोटरी क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 64 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।विश्वविद्यालय के कुलसचिव ज्ञानेंद्र कुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और एक व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता है। निदेशक आईक्यूएसी एवं मेजर प्रो. सुनील कुमार कबिया ने युवाओं से ऐसे जनहितकारी अभियानों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। रोटरी क्लब की प्रतिनिधि प्रीति खन्ना एवं पावित्रा खन्ना ने रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी, विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स तथा रोटरी क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

प्रस्तावों को लेकर पार्षदों में नाराजगी, बैठक से बाहर निकले जनप्रतिनिधि

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी । नगर पंचायत बड़ागांव में आयोजित बोर्ड बैठक में प्रस्तावों को लेकर पार्षदों ने विरोध जताते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। पार्षदों का आरोप है कि उनकी सहमति के बिना अधिशासी अधिकारी एवं अपर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार एवं अध्यक्षा श्रीमती पुख्खन देवी द्वारा प्रस्ताव बैठक में रखे गए, जिसका उन्होंने सामूहिक रूप से विरोध किया।पार्षदों के अनुसार विरोध के बावजूद जब उनकी आपत्तियों पर सहमति नहीं बनी तो भाजपा समेत अन्य पार्षद बैठक कक्ष से बाहर निकल आए और बोर्ड बैठक का बहिष्कार कर दिया।

मॉडर्न स्कूल में भारतीय छात्र संसद सम्मेलन आयोजित,

विद्यार्थियों ने निभाई सांसदों-विधायकों और राष्ट्र प्रतिनिधियों की भूमिका

प्रातःकाल एक्सप्रेस



झांसी। कानपुर रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल एवं मॉडर्न स्कूल सिविल लाइन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय छात्र संसद सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न समितियों, भारतीय संसद एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रतिरूप कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने समसामयिक विषयों पर लोकतांत्रिक पद्धति से विचार-विमर्श और वाद-विवाद किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों, विधायकों एवं विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों की भूमिका निभाते हुए भारतीय समाज में राजनीतिक परिवर्तन, वैश्विक चुनौतियों, भारत पर उनके प्रभाव तथा संभावित समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन के माध्यम से विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और लोकतांत्रिक मूल्यों की व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के फाउंडर चेयरमैन कैप्टन अरविन्द विश्वनाथन, फाउंडर चेयरपर्सन श्रीमती शांति विश्वनाथन, प्रबंध निदेशक श्री अपूर्व शुक्ला एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती रत्ना विश्वनाथन ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं चेयरमैन डॉ. रोहिन विश्वनाथन एवं मॉडर्न स्कूल की प्राचार्या श्रीमती अंशिता विश्वनाथन ने विजयी प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सभा तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नागरिक भागीदारी और लोकतांत्रिक सोच विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। सम्मेलन में युवा ऊर्जा और अनुभवी मार्गदर्शन का समन्वय देखने को मिला, जिसने विद्यार्थियों को विषयों पर गहराई से विचार करने और जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कहा गया कि राजनीति, शासन, अध्यात्म और मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों को युवाओं से जोड़कर नैतिक नेतृत्व और नागरिक सहभागिता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान के साथ-साथ वैश्विक मूल्यों, जिम्मेदारी और समर्पण का भी प्रदर्शन किया।

अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष सचिन शर्मा ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को सहयोग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

भक्ति में सरोवर हुए भक्त और भजनों पर भक्तों ने किया जमकर नृत्य

निर्धनता में भी संतोष और श्रद्धा हो तो भगवान स्वयं कृपा बरसाते हैं - पं.नितिन कृष्ण जी महाराज

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झाँसी । श्री गौड़ बाबा सिद्धाश्रम प्रेमनगर में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में आज अंतिम दिवस में भागवत महापुराण की कथा श्रवण कराते हुए युवराज पं.नितिन कृष्ण जी महाराज ने श्रीकृष्ण एवं सुदामा चरित्र की लीलाओं की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। और सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि निर्धनता में भी संतोष और श्रद्धा हो तो भगवान स्वयं कृपा बरसाते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को भक्ति, प्रेम और वैराग्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। परीक्षित मोक्ष प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा के दौरान राधा-कृष्ण एवं सुदामा चरित्र की मनोहारी झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। भजनों पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। व नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की ओर से महिम जैन, कैलाश साल्वी, रामजी मीना ने सभी भक्तों का अभिवादन किया उसके पश्चात महिम जैन ने दिव्यांग बच्चों के बारे में बताया और दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन के लिए एवं उनकी देखभाल के लिए जो भी धनराशि सहयोग या किसी भी प्रकार का योगदान करना चाहे तो वह सहयोग कर सकता है उस पर भी विस्तृत चर्चा की । संस्थान का उद्देश्य भूखे को भोजन - बीमार को दवा, यही है नारायण सेवा। तथा आज कार्यक्रम में धर्मगुरु के रूप में आचार्य मनोज थापक ज्योतिषाचार्य एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ, पं.बृजेश कृष्ण शास्त्री राष्ट्रीय भागवताचार्य, पं.मुरारी महाराज पुजारी - श्री बालाजी मंदिर नंदनपुरा उपस्थित रहे व आज भागवत पूजन एवं आरती में मुख्य रूप से बिहारी लाल आर्य महापौर नगर निगम झांसी, सुधीर सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा झांसी महानगर, पं.मैथलीशरण मुदगिल, इंजी.शशिकांत द्विवेदी, रामआसरे गुप्ता, दिलीप मुदगिल, भरत सेन सभासद, आशीष तिवारी सभासद, हरिओम मिश्रा सभासद, अंकुर नरेश ठेकेदार, हिर्देश चतुर्वेदी रानू महाराज, प्रदीप जिझौतिया, शंभू शरण द्विवेदी, राकेश पाठक, राम कुशवाहा, ठा.ऋषभ सिंह, ऋषि चतुर्वेदी, महेश राय, अरुण साहू, सूरज तिवारी डब्बू चौबे, विश्वनाथ मिश्रा, सुरेंद्र जी, रामकुमार मिश्रा, प्रवीण शास्त्री, आलोक शास्त्री, मयंक पटेरिया, हरिओम शास्त्री, केशवदास, रिछरिया महाराज एवं रूपम मुदगिल, मांडवी चतुर्वेदी, अनीता जिझौतिया, शिवांगी मुदगिल, ममता महरौलिया, स्वाती परमार, सरोज गुप्ता, रामजानकी पाठक सहित आदि भक्तगण उपस्थित रहे। और कार्यक्रम का संचालन पं.सियारामशरण चतुर्वेदी ने किया अंत में आभार पं.विनोद चतुर्वेदी महाराज ने किया।

एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान में रेलकर्मियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी। 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन पर 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ रेलकर्मियों और यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (वर्क्स) राजेश अग्रवाल के नेतृत्व तथा मंडल रेल प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध कुमार की उपस्थिति में स्टेशन परिसर में सफाई, ट्रैक से कचरा हटाने के लिए रैग पिकिंग तथा गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण जैसी गतिविधियां की गईं। रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छता को नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन या अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर चलने वाली सामूहिक जिम्मेदारी है। रेलवे परिसर को स्वच्छ रखने में रेलकर्मियों के साथ यात्रियों और आमजन की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ और बेहतर रेल परिवेश का निर्माण किया जा सकता है।मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक रेलकर्मी, यात्री और आमजन की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे अभियान लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हैं। झांसी मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' के तहत विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों एवं रेलवे परिसरों में लगातार स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।इसी क्रम में झांसी मंडल के अन्य स्टेशनों और डिपो पर भी 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान के तहत स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई, ट्रैक से कचरा हटाने, रैग पिकिंग तथा गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण की गतिविधियां की गईं। रेलकर्मियों एवं संबंधित कर्मचारियों ने स्वच्छ रेल परिसर बनाए रखने का संकल्प लिया।रेल प्रशासन ने यात्रियों और आमजन से रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की। अभियान के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन नंदीश शुक्ल, अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा प्रेम प्रकाश शर्मा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (निर्माण) संतोष गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अतुल यादव, वरिष्ठ डीईएनएचएम आनंद गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक फ्रेट नीरज भटनागर सहित सभी शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रानापुरा शक्ति केंद्र पर महिला स्वास्थ्य शिविर, योजनाओं की जानकारी देकर किया जागरूक

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झांसी। सेवा संकल्प अभियान 2026 'सेवा मेरा योगदान' के तहत गरौठा विधानसभा के गुरसराय मंडल स्थित रानापुरा शक्ति केंद्र पर महिला स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश मौजूद रहीं।

शिविर में महिलाओं एवं ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पेंशन एवं दिव्यांगजन संबंधी समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने 'आंगन उत्सव' के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया। महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य तथा मातृ-शिशु देखभाल के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में गुरसराय मंडल मंत्री देवेंद्र पाल, बूथ अध्यक्ष टिंकू ठाकुर, चंदन सिंह गौर, प्यारेलाल पटेल, अरविंद सिंह गौरी, राजा ठाकुर रानापुरा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा तिवारी, स्वयं सहायता समूह की नीतू सिंह सहित स्थानीय कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

झाँसी मंडल में स्थायी वार्ता तंत्र की 28वीं बैठक आयोजित

कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रशासन और यूनियन के बीच हुआ विचार-विमर्श

प्रातःकाल एक्सप्रेस

झाँसी। झाँसी मंडल कार्यालय स्थित मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में 30 सितंबर एवं 1 अक्टूबर को मान्यता प्राप्त यूनियन एनसीआरईएस के साथ स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की 28वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर रेलवे प्रशासन एवं यूनियन प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श हुआ।बैठक के प्रथम दिन मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने विशेष सत्र में मंडल की विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी यूनियन प्रतिनिधियों को दी। उन्होंने कहा कि मंडल में बेहतर औद्योगिक संबंध बनाए रखने में एनसीआरईएस का निरंतर सहयोग मिल रहा है। यूनियन की सकारात्मक सहभागिता की भी उन्होंने सराहना की। एनसीआरईएस के मंडल सचिव गौरव श्रीवास्तव ने बैठक के आयोजन के लिए मंडल रेल प्रबंधक का आभार जताते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति के लिए प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय एवं सौहार्दपूर्ण संबंध आवश्यक हैं। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मंडल के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। पीएनएम सचिव एवं वरिष्ठ मंडलैठक में यूनियन पदाधिकारियों ने रेलवे आवासों की मरम्मत एवं साफ-सफाई, विभिन्न भत्तों तथा कर्मचारियों से जुड़ी जमीनी समस्याओं सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे प्रशासन के समक्ष रखे। इन विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आपसी समन्वय एवं सहमति के आधार पर विभिन्न मामलों का निस्तारण किया गया।बैठक में पीएनएम अध्यक्ष एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) नन्दीश शुक्ल, मंडल के सभी शाखाधिकारी, एनसीआरईएस के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा के साथ मंडल में औद्योगिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया।

स्वच्छता ज्ञान यात्रा में गोवर्धन परियोजना तथा गोबर से बनने वाली खाद के बारे में दी गई जानकारी

प्रातःकाल एक्सप्रेस



सहारनपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत बृहद गौशाला कलसिया पर आयोजित की गई स्वच्छता ज्ञान यात्रा।स्वच्छता ज्ञान यात्रा में नेहरू शांति विद्या निकेतन इंटर कॉलेज कलसिया के सैकड़ो छात्रों को लेकर प्रधानाचार्य महाप्रसाद के नेतृत्व में स्वच्छता के सात आयाम पर दी गई विस्तृत जानकारी। छात्र-छात्राओं को गोवर्धन परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि गोबर के माध्यम से किस तरह से बनने वाली ऊर्जा से जनरेटर चलाया जाता है साथ ही साथ निकलने वाली सलरी की खाद से किसानों की आय में वृद्धि हो रही है।छात्रों ने वृहद गौशाला का भ्रमण करते हुए गोबर धन परियोजना का भ्रमण किया, स्वच्छता ज्ञान यात्रा गोवर्धन परियोजना से निकलकर ग्राम पंचायत कलसिया द्वारा निर्मित अस्थाई गौशाला स्थल पर आई जहां पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित आरआर सी सेंटर का निरीक्षण किया गया।यहां पर सचिव राजीव कुमार द्वारा जानकारी दी गई की बड़ी मात्रा में गोबर से वर्मी कंपोस्ट तैयार की जा रही है और वर्मी कंपोस्ट की खाद किसानों को विक्रय कर जहां गोबर का शत प्रतिशत वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जा रहा है वही आरआ र सी पर एकत्रित कूड़े की बिक्री करके भी ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने के साथ-साथ समाज में स्वच्छता का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। स्वच्छता ज्ञान यात्रा के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता संकल्प लिया इस अवसर पर महाप्रसाद प्रधानाचार्य सुदेश कुमार प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार प्रवक्ता देव भास्कर पांडे जिला स्वच्छता सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजीव कुमार सचिव ग्राम पंचायत कलसिया समेत अनेक जन सामान्य गण उपस्थित रहे।स्वच्छता ज्ञान यात्रा में छात्र-छात्राओं द्वारा लगाये जा रहे नारे स्वच्छता अपनाये।गंदगी भगाएं प्लास्टिक कचरा हटाए. थैला लेकर बाजार जाएँ।गोबर धन सबसे बड़ा धन। जैसे नारों से जनसाधारण को स्वच्छता के प्रति अभिप्रेरित किया गया। यात्रा की समापन अवसर पर स्वच्छता संकल्प लेकर यात्रा का समापन किया गया।

फसलों पर 25': 30 कुंतल बढ़ाना किसानों के साथ सरासर अन्याय :भगत सिंह वर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस



सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि रबी की फसलों पर 25-30 रुपए कुंतल बढ़ाना किसानों के साथ सरासर अन्याय है। और यह बड़ाया गया मूल्य बहुत ही कम है। इससे किसानों का कोई भला होने वाला नहीं है। भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकारे किसान विरोधी है।जब तक देश के अनन्दाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य नहीं मिलेगा तब तक किसान आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि आज देश के अनन्दाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर लागत मूल्य भी सरकार नहीं दिला पा रही है। जिसके कारण देश का अनन्दाता किसान कर्ज बंद होकर आत्महत्या करने को मजबूर है। एक कुंतल गेहूं का आटा 1000 लोगों का एक समय का भोजन है।इससे सस्ता और क्या हो सकता है।जब गेहूं चीनी चावल के रेट बढ़ते है तो सब चिल्लाने लगते है। किसी को भी किसानो की परवाह नहीं है।यह कब तक चलेगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि देश के अनन्दाता किसानों की कर शक्ति बढ़ाने से ही देश आर्थिक रूप से मजबूत हो सकता है और विकसित देश बन सकता है आज भाजपा की सरकार लगातार किसानों को कमजोर करती जा रही है जिसके लिए देश के किसानों को जाति बिरादरी धर्म पार्टी और दलों से ऊपर उठकर संघर्ष करना होगा।

सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु सहारनपुर पुलिस की सघन पैदल गश्त एवं चेकिंग अभियान

प्रातःकाल एक्सप्रेस



सहारनपुर। आगामी त्यौहारों एवं जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को और मजबूत करने के उद्देश्य से सहारनपुर पुलिस द्वारा सघन पैदल गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, संवेदनशील क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार पैदल गश्त की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग करते हुए आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे है तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित कर रहे है। सहारनपुर पुलिस का उद्देश्य स्पष्ट है–जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखते हुए प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना।

सेतु अभियान के अंतर्गत विकास खंड नागल में सेवा आंगन मिलन सम्मेलन हुआ आयोजित

प्रातःकाल एक्सप्रेस



सहारनपुर । सेवा संकल्प अभियान के तहत विकास खंड नागल में विधायक रामपुर मनिहारान देवेंद्र निम एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी की उपस्थिति में सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत हैल्दी बेबी प्रतियोगिता, आशा सम्मेलन एवं समूह सखी, बीसी सखी स्वास्थ्य सखी द्वारा किए जा रहे विभिन्न उत्पादों का आयोजन किया गया। नव नियुक्त आंगन बाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र, साड़ी वितरण, बेस्ट आशा वर्करों को सम्मानित पत्र, वृद्ध जनों को छड़ी, वाकर वितरण हैल्थ चेकअप, आवास एवं शौचालय के लाभाथिर्यों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मिशन शक्ति फेज-5.0 : गंगोह में महिलाओं को किया जागरूक



प्रातःकाल एक्सप्रेस

सहारनपुर। मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना गंगोह में थाना प्रभारी इंद्रेश चौहान के नेतृत्व में एंटी रोमियो व मिशन शक्ति टीम ने कस्बा गंगोह में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया। टीम ने महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्टिंग व सोशल मीडिया अफवाहों से बचाव की जानकारी दी। बिना सत्यापन के कोई सूचना शेयर न करने के लिए कहा गया।महिलाओं को उनके अधिकारों, महिला सशक्तिकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं, बच्चों की सुरक्षा व नए आपराधिक कानूनों के बारे में भी बताया गया। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन - 1090 महिला हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम, 112 पुलिस, 108 एंबुलेंस, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन। टीम ने महिलाओं की समस्याएं सुनकर सहायता का भरोसा दिलाया।

नानौता साइबर हेल्प डेस्क की बड़ी सफलता, ठगी के 39,585 रुपये वापस

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में साइबर अपराध रोकथाम अभियान के तहत थाना नानौता साइबर हेल्प डेस्क टीम ने सराहनीय कार्य किया। एसपी नगर / नोडल अधिकारी साइबर अपराध व सीओ गंगोह के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष विकास चारण के नेतृत्व में टीम ने ऋ्रंइ्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की जांच कर गृह मंत्रालय के घ्ण् द्वारा संचालित ऋ्रंश पोर्टल के माध्यम से बैंकों से समन्वय स्थापित किया। टीम ने ऑनलाइन ठगी के शिकार 5 पीडि.तों की कुल 39,585 रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में वापस कराई। पीडि.तों ने पुलिस अधिकारियों व साइबर हेल्प डेस्क टीम का आभार जताया।



लक्ष्य तय कर मेहनत करें विद्यार्थी : अमोध कृष्ण

प्रातः काल एक्सप्रेस



चिलकाना। नव जनोदय इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षाथिर्यों को करियर और भविष्य को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। रुड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी (आरआईटी) के डीन अमोध कृष्ण ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में की गई मेहनत सफलता की नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई का रचनात्मक उपयोग कर ज्ञान और कौशल बढ़ाने की सलाह दी। कहा कि अच्छे अंकों के साथ संस्कार, जिम्मेदारी और देश के प्रति समर्पण की भावना भी जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी क्षमता पहचानकर उसका पूरा उपयोग करना चाहिए। इस दौरान आरआईटी की स्वाति व भूमि तथा प्रधानाचार्य श्याम कुमार सैनी, सुनील कुमार, पदम कुमार, शुभम, अनिल कुमार, सवित कुमार और बिजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पाइप लाइन लीक होने से हजारों लीटर पानी बर्बाद, राहगीरों की बढ़ी मुसीबत

प्रातः काल एक्सप्रेस



प्रयागराज। शहर के 6 वार्ड पूरा मनोहरदास अकबरपुर में गंभीर लापरवाही सामने आई है। बाबू बनिया के पास और अकबरपुर बमपुलिस वाली मुख्य सड़क पर पीने के पानी की पाइपलाइन में बड़ा लीकेज हो गया है। पिछले कई दिनों से पाइपलाइन से लगातार पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे हजारों लीटर शुद्ध पेयजल रोज बर्बाद हो रहा है।

आवाजाही में दिक्कत, फिसलन से हादसे का डर

सड़क पर लगातार पानी बहने से पूरी सड़क पर कीचड़ और जलभराव हो गया है। मोहल्ले के लोगों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। दोपहिया वाहन सवार फिसल कर गिर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही।

क्षेत्रीय नेता ने उठाई आवाज

वहीं क्षेत्रीय नेता अब्दुल सलाम ने बताया कि यह समस्या सिर्फ एक जगह की नहीं है। वार्ड पूरा मनोहरदास में कई स्थानों पर पुरानी पाइपलाइन टूटने से लीकेज की समस्या बनी हुई है। लीकेज के कारण लोगों के घरों में गंदा और कम प्रेशर से पानी पहुंच रहा है। उन्होंने जलकल विभाग व नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द टीम भेजकर लीकेज को ठीक कराया जाए, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और सड़क पर आवाजाही सुचारू हो सके। स्थानीय निवासियों ने भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो वे जलकल कार्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

विंध्याचल में नवरात्रि मेला तैयारी तेज, डीएम, एसपी ने किया समीक्षा बैठक व निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस



मीरजापुर। शारदीय नवरात्र मेला 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। इसकी तैयारियों को लेकर विंध्याचल धाम के प्रशासनिक भवन में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। डीएम ने कहा कि श्रद्धालु सुगमता से मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन कर सकें, इसके लिए सभी विभाग पूरी निष्ठा से समय पर कार्य पूर्ण करें। त्रिकोण मार्ग, अष्टभुजा पहाड़ पर मोतिया तालाब से सीता कुंड तक एलईडी प्रकाश व्यवस्था, मंदिर परिसर, गंगा घाट, बैरिकेटिंग, पार्किंग, साफ-सफाई, बैठने के लिए शेड की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने गंगा घाट पर बैरिकेटिंग, लाइफ गार्ड, महिला चेंजिंग रूम, सड़क मरम्मत, पेयजल टैंकर, अस्थाई टोटी, शास्त्री ब्रिज पर प्रकाश, कीटनाशक छिड़काव, खोया-पाया केंद्र, अस्थाई शौचालय व गौवंशों को गौशाला भेजने के निर्देश दिए। एसपी ने पार्किंग में शौचालय, प्रकाश, रेट लिस्ट बोर्ड अनिवार्य करने व अधिक रेट वसूली पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। गेट नंबर-1 पर एंबुलेंस, विद्युत सुरक्षा जांच व फायर उपकरणों की जांच के निर्देश भी दिए गए। बैठक के बाद डीएम व एसपी ने विंध्याचल मंदिर, परिक्रमा पथ व गलियों का निरीक्षण किया। बैठक में एडीएम विनोद कुमार सिंह, एएसपी योगेंद्र सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, सीएमओ डॉ. कीर्ति कुमार मिश्रा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता संपर्क से लेकर सम्मेलन तक की तैयारी में जुटी भाजपा

इलाहाबाद झांसी स्नातक चुनाव को लेकर बैठक का दौर जारी

प्रातः काल एक्सप्रेस



प्रयागराज। इलाहाबाद झांसी सनतक चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरे एक्शन मोड में है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद संगठन द्वारा लगातार बैठकों का दहर जारी है। बुधवार को भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर के स्वागत अभिनन्दन व बैठक के बाद गुरुवार को सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में चुनाव को लेकर भाजपा प्रयागराज महानगर के सभी 15 मंडलों के मंडल अध्यक्षों व जिला पदाधिकारियों की आयोजित हुई बैठक में चुनाव में विजय परचम लहराने की रणनीति पर मंथन हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष एवं सनतक चुनाव सह संयोजक अवधेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि संगठन पूरी ताकत से इस चुनाव को लड़ने जा रहा है। 10 से 14 अक्टूबर तक मतदाता संपर्क अभियान चलाया जाएगा। 15 से 18 अक्टूबर तक मतदाता जिला सम्मेलन व 19-20 अक्टूबर को चुनाव तैयारी बैठक की जाएगी। अवधेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि मतदाताओं को बूथ तक लाने में कोई ढिलाई नहीं बरतनी है। जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि कार्यकर्ता पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरे। 5 अक्टूबर को नामांकन में बड़ी संख्या में प्रयागराज महानगर से कार्यकर्ता पहुंचे इसकी योजना बना लें। सरकार की उपलब्धियों को लेकर मतदाताओं के पास पहुंचे। पोलिंग एजेंट व पोलिंग बूथ प्रभारी सजग व सचेत रहें। चुनाव में हम अवश्य विजयी होंगे। चुनाव को लेकर सभी 15 मंडलों के मंडल संयोजक, सह संयोजक, विधानसभा संयोजक व सह संयोजक बैठक कर 23 अक्टूबर को होने वाले सनतक चुनाव मतदान को लेकर रणनीति पर मंथन कर लें। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, सनतक चुनाव के जिला संयोजक महानगर महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय, सह संयोजक एवं जिला मंत्री दीप द्विवेदी, सुबोध सिंह, आनंद सोनकर, अनिल केसरवानी, कुंज बिहारी मिश्रा, अनुज कुशवाहा, विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, वंदना सिंह, राम लोचन साहू, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

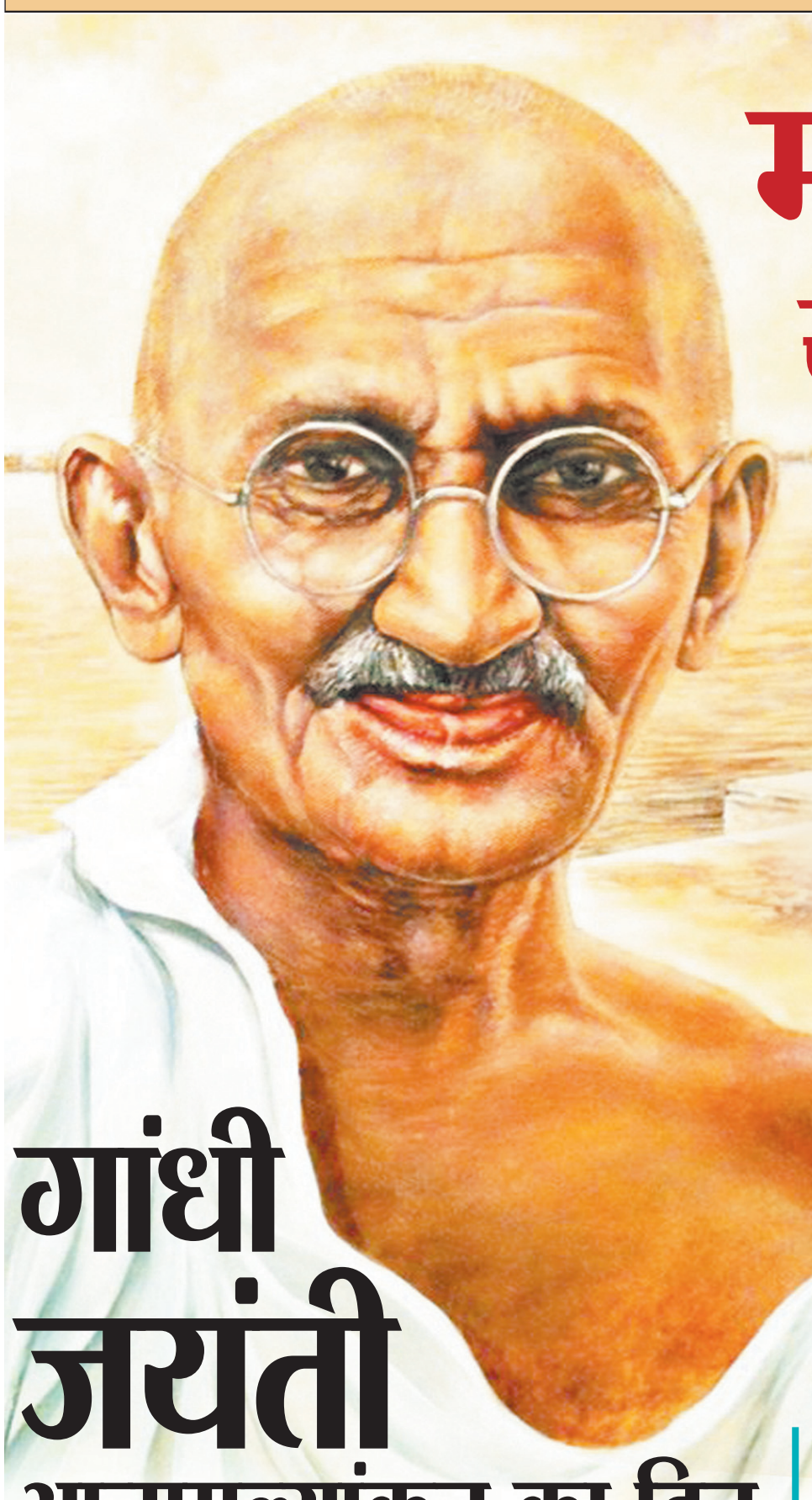
महात्मा गांधी को शत शत नमन ईमानदारी की मिसाल थे:सरदार पतविन्दर सिंह

157वी जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर प्रतिमा को जल-स्नान कराया

प्रातः काल एक्सप्रेस

प्रयागराज /भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ महात्मा गांधी की 157वी जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर प्रयागराज बालसन चौराहे पर विराजमान गांधी की प्रतिमा को जल- सनन कराकर स्वच्छ सुंदर किया व प्रांगण पर स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा कार्य किया।भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह,कामरान जान कुरैशी,सजय श्रीवास्तव, जीनस बानो, मोहम्मद अरब्स, हाफिज अंसारी,मो. राशिद, अशफाक, सहित कई सामाजिक, राजनीतिक, देशभक्त उपस्थित रहे।





महात्मा गांधी
स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के जुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

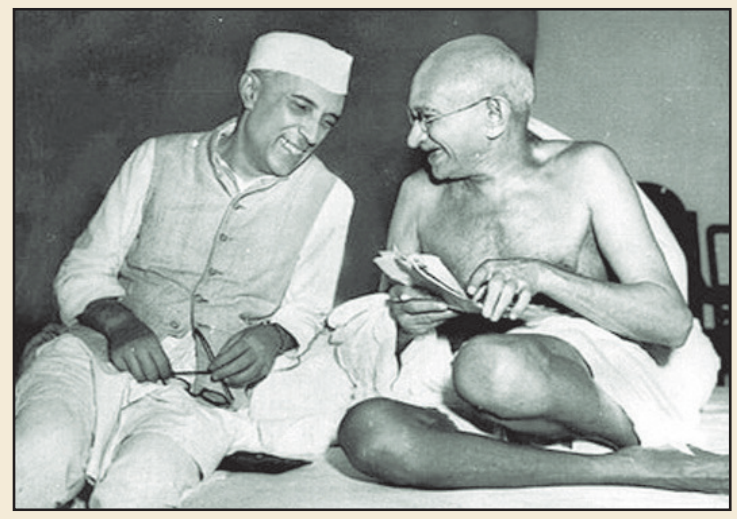
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा



गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

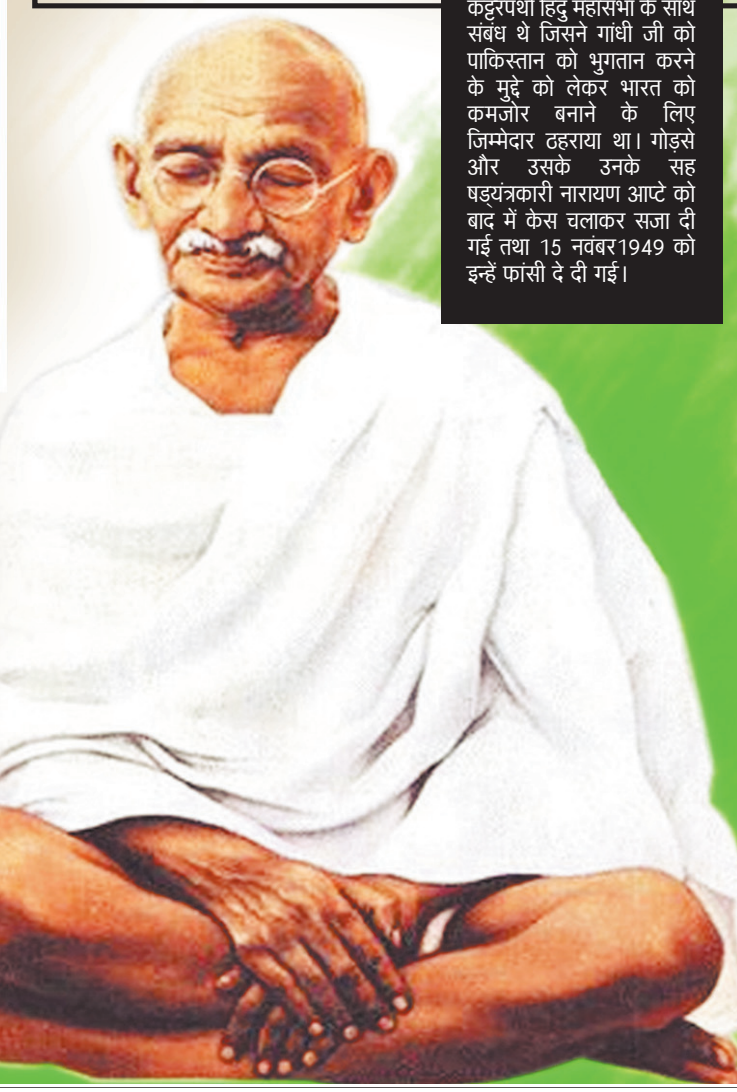
द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

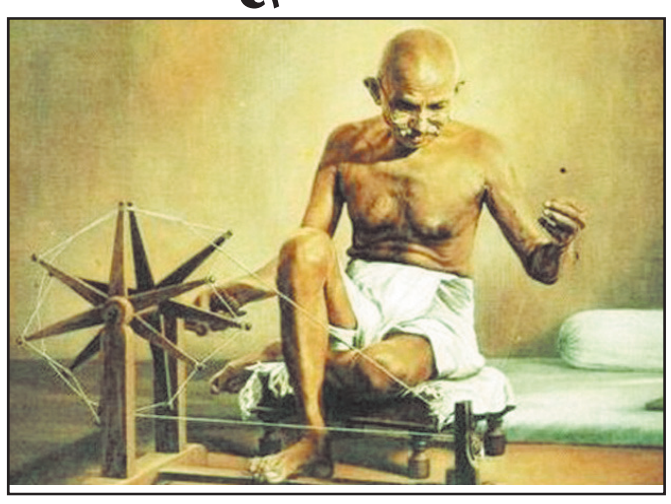
गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।



गांधी जयंती
आत्ममूल्यांकन का दिन



आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक



आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत तुकमीरपुर में 103 आरएएफ बटालियन ने चलाया स्वच्छता अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली । 'स्वच्छता ही सेवा' और सेवा संकल्प अभियान के तहत 103 आरएएफ बटालियन ने गुरुवार को पुष्पांजलि स्कूल, तुकमीरपुर में स्वच्छता अभियान चलाया। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने अभियान में सहभागिता की। इस दौरान आरएएफ के जवानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रवासियों और स्कूल के बच्चों ने मिलकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के अनुसार, राजधानी में करीब 300 स्थानों पर स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान में सादतपुर की निगम पार्षद नीता बिष्ट, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश ढेड़ा, 103 आरएएफ बटालियन के कमांडेंट चंदन बॉबी सिंह, आरएएफ की टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी और स्कूल के बच्चे शामिल हुए। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 103 आरएएफ बटालियन की टीम हर वर्ष क्षेत्रवासियों और विद्यार्थियों के साथ मिलकर इस तरह के स्वच्छता अभियान आयोजित करती है। उन्होंने सामाजिक दायित्व को कर्तव्य और ड्यूटी से आगे बढ़कर निभाने के लिए बटालियन, कमांडेंट और उनकी टीम का आभार जताया।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार व अन्य सामग्री बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों के बीते 24 घंटों के दौरान अलग-अलग अभियानों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही धन उगाही में शामिल एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। इसी कड़ी में छुपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार एवं अन्य सामग्री को बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, म्यांमार से कामजोंग के रास्ते प्री-पाक (प्रो) के वरिष्ठ कैडर के घुसपैठ करने की विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, चंद्रखोंग इलाके में एक मजबूत वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) लगाई गई। गाड़ियों की जांच के दौरान काकमायई मायाई लीकाई निवासी प्री-पाक (प्रो) के स्वयंभू कैप्टन मोइरांगथेम बोबॉय सिंह उर्फ लैंगम (56) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बिष्णुपुर के 4 किशोरों की भर्ती और उन्हें म्यांमार भेजने में अपनी भूमिका के बारे में बताया। इसी दिन एक अन्य अभियान में सीडीओ इंफाल ईस्ट ने खुराई पुथिबा लीकाई में एक अभियान चलाते हुए आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर नेप्रम सिंहाजीत सिंह (46 वर्ष) को गिरफ्तार किया।

प्रधानमंत्री मोदी का सुभाषितम् में निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिदिन की तरह आज सुबह एक्स हैंडल पर सुभाषितम् के रूप में महान कवि भर्तृहरि के ग्रंथ नीतिशतकम् का एक श्लोक साझा किया। प्रधानमंत्री ने इस श्लोक का उदाहरण देते हुए व्यक्तियों से निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। यह श्लोक है, ''रत्नैर्महाब्धेस्तुतुषुर्न देवा न भेजिरे भीमविषेण भीतिम। सुधां विना न प्रययुर्विरामं न निश्चितार्थाद्विरमन्ति धीराः॥' प्रधानमंत्री की पोस्ट में इसका अर्थ बताया गया है, ''जिस प्रकार देवताओं ने समुद्र से रत्नों को प्राप्त करने के बाद भी अमृत की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्न किया, उसी प्रकार धीर और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति अपने निश्चित लाभ की प्राप्ति तक निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं।''

इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की जांच रिपोर्ट हुई ऑनलाइन, खुली लापरवाही की परतें

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से बीमारी और मौतों के मामले में एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट ने व्यवस्था की लंबी चूक को उजागर किया है। मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ की वेबसाइट पर अपलोड हुई रिपोर्ट ने लापरवारी की परतें खोलकर रखी दी हैं। इंदौर के भागीरथपुरा में दिसंबर 2025 में दूषित पानी पीने से बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए थे। इनमें से 36 लोगों की जानें चली गईं। मामले की जांच के एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया था। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार दूषित पानी की घटना कई दशकों में अलग-अलग स्तरों पर हुई तकनीकी, प्रशासनिक और निगरानी संबंधी विफलताओं का सामूहिक परिणाम थी। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा में दूषित पानी नलों में आने और लोगों के बीमार होने की जानकारी अफसरों और जनप्रतिनिधियों को फरवरी 2024 में ही मिल गई थी।

रक्षा लेखा विभाग को भी संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में बढ़ना चाहिए : राजनाथ सिंह

'रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग रक्षा मंत्रालय का एक ऐसा साझा सूत्र है'

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस तरह आज भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्तता और एकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, उसी भावना को रक्षा लेखा विभाग के वित्तीय तंत्र में भी लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाएं जब मिलकर काम कर रही हैं, तो उनके वित्तीय तंत्र भी एकीकृत हों, तो इससे पूरी रक्षा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक प्रभावी और कुशल बन सकती है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग रक्षा मंत्रालय का एक ऐसा साझा सूत्र है, जिससे मंत्रालय के लगभग सभी काम किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग को पूरे रक्षा तंत्र की रीढ़ बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष, यानी 2025-26 में हमारी जो व्यय बुकिंग रही है, वह लगभग 100 प्रतिशत रही है। यह आपके और तीनों सेवाओं के संयुक्त प्रयासों का बहुत ही बड़ा पड़ाव है, बहुत ही अच्छा उदाहरण



है। यह उपलब्धि आपकी प्रतिबद्धता, आपकी कड़ी मेहनत, और आपकी कार्यकुशलता को दिखाती है। और मैं चाहूंगा कि इस वर्ष भी, आप उसी गति को बरकरार रखें, उसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि अब बजट की शेष राशि केवल वार्षिक समीक्षा तक सीमित रहने के बजाय ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जिसमें किसी भी समय वित्तीय स्थिति की जानकारी मिल सके। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, '' मैं आप सभी को, रक्षा लेखा विभाग के, 279वें स्थापना दिवस पर, शुभकामनाएं देता हूं। किसी भी संस्था के लिए, लगभग तीन शताब्दियों तक काम करते रहना, गौरव का विषय होता है। रक्षा लेखा विभाग की जो इतनी बड़ी विरासत है, उसको आप सबने न सिर्फ बनाए रखा है, बल्कि आगे बढ़ाने का भी काम किया है। इसके लिए, आप सभी बधाई के पात्र हैं। ' रक्षा मंत्री ने गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में देश और दुनिया में उपलब्ध बेहतर कार्यप्रणालियों को अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में जो बेहतर कार्यप्रणालियां राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाएं, उन्हें आत्मसात करें, अपने कार्य क्षेत्र में लागू करने का प्रयास करें, और देश-दुनिया के साथ आगे बढ़ें। रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग में एआई के इस्तेमाल को बढ़ाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने विभाग से ऐसी बातचीत आधारित एआई व्यवस्था तैयार करने का प्रयास करने को कहा, जिसमें संपर्क के अलग-अलग माध्यमों को जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि इसमें बातचीत, लघु संदेश, व्हाट्सऐप, ई-मेल और दूरभाष जैसे सभी माध्यम शामिल किए जा सकते हैं।

इलैयाराजा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

'एन इनिया पोन निलावे' के कॉपीराइट मामले में सारेगामा के पक्ष में फैसला बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली । संगीतकार इलैयाराजा और म्यूजिक कंपनी सारेगामा इंडिया के बीच चल रहे कॉपीराइट विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलैयाराजा को राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ इलैयाराजा की अपील पर दखल देने से इनकार किया, जिसमें 'एन इनिया पोन निलावे' गाने के कॉपीराइट को लेकर सारेगामा के पक्ष में फैसला दिया गया था। यह गाना 1981 में आई तमिल फिल्म 'मूडू पनी' का है और इसे के.जे. येसुदास ने गाया था। मामला दरअसल इस बात को लेकर था कि गाने के अलग-अलग हिस्सों- धुन, लिरिक्स और साउंड रिकॉर्डिंग पर किसका कॉपीराइट है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मई 2026 में साफ किया था कि इलैयाराजा को गाने की म्यूजिकल कंपोजिशन पर कॉपीराइट हासिल है लेकिन वह गाने के लिरिक्स या उसकी साउंड रिकॉर्डिंग पर अधिकार का दावा नहीं कर सकते। यह पूरा विवाद तब सामने



आया जब फिल्म 'अघथिया' में 'एन इनिया पोन निलावे' का रीक्रिएटेड वर्जन इस्तेमाल किया गया। इसे लेकर सारेगामा ने आपत्ति जताई थी। कंपनी का कहना था कि उसके पास मूल फिल्म 'मूडू पनी' की साउंड रिकॉर्डिंग के अधिकार हैं। दूसरी तरफ इलैयाराजा की ओर से इस गाने को लेकर लाइसेंस दिए जाने की बात सामने आई। इसी के बाद कॉपीराइट को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कॉपीराइट के तीन अलग हिस्सों- म्यूजिकल कंपोजिशन, लिरिक्स और साउंड रिकॉर्डिंग के बीच अंतर किया। हाईकोर्ट ने कहा कि इलैयाराजा गाने के संगीत के कंपोजर होने के नाते उसकी म्यूजिकल कंपोजिशन पर अधिकार रखते हैं। हालांकि, फिल्म में इस्तेमाल हुई साउंड रिकॉर्डिंग पर उनका अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि 25 फरवरी 1980 के एक एग्रीमेंट के जरिए 'मूडू पनी' में मौजूद साउंड रिकॉर्डिंग के कॉपीराइट मूल कंपनी से सारेगामा के पास चले गए थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इलैयाराजा के पास अपनी म्यूजिकल कंपोजिशन से जुड़े कुछ अधिकार बने रहते हैं लेकिन वे अधिकार लिरिक्स या साउंड रिकॉर्डिंग तक नहीं जाते। ऐसे में वह उस फिल्म में रिकॉर्ड किए गए गाने की मूल रिकॉर्डिंग को अपनी संपत्ति बताकर किसी दूसरे पक्ष को अधिकार नहीं दे सकते।इससे पहले जनवरी 2025 में दिल्ली हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सारेगामा के पक्ष में अंतरिम राहत दी थी। इसके बाद इलैयाराजा ने इस आदेश को चुनौती दी थी। मई 2026 में डिविजन बेंच ने भी सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद इलैयाराजा ने फैसले की समीक्षा की मांग की लेकिन 26 मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी रिव्यू याचिका भी खारिज कर दी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने इस गाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला : चंपत राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट 2 नवंबर को करेगा सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली । अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में अनियमितताओं से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट 2 नवंबर को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर होगी। यह याचिका अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चंपत राय राम मंदिर निर्माण के लिए मिले चंदे की अनियमितताओं और मंदिर के आसपास जमीन की कथित अवैध खरीद में शामिल रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि चंपत राय और अन्य दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही मौजूदा ट्रस्ट को भंग कर उसका पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया। बेंच ने आश्वासन दिया कि इस याचिका को राम मंदिर चंदे की कथित हेराफेरी से संबंधित पहले से लंबित याचिकाओं के साथ सुना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि सभी मामलों की सुनवाई 2 नवंबर को एक साथ की जाएगी। बता दें कि यह मामला अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे और दान से जुड़ा है। आरोप है कि मंदिर में आने वाले कैश, नोटों और सिक्कों की गिनती के दौरान हेरफेर और चोरी की गई है। भक्त बड़ी श्रद्धा से रामलला के लिए दान देते हैं लेकिन आरोप है कि इस चढ़ावे के पैसे में गड़बड़ी की गई है। इसी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा राहुल गांधी की राजनीति झूठ और भ्रम फैलाने पर आधारित' है

एजेंसी

नई दिल्ली। केरलम भाजपा अध्यक्ष और विधायक राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए उनकी राजनीतिक शैली पर सवाल उठाए।

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में राहुल गांधी का भारतीय लोकतंत्र में योगदान झूठ, गलत सूचना और अराजकता फैलाने तक सीमित रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए ''देशद्रोही'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना राहुल गांधी की राजनीति की प्रकृति को दर्शाता है। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीति को ''फ्रॉड'' और ''झूठ की राजनीति'' करार देते हुए कहा कि उनके पास देश या केरल के लिए कोई सकारात्मक संदेश नहीं है। चंद्रशेखर ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने राहुल गांधी को ''फ्रॉड'' कहा है और वह अपने इस बयान पर कायम हैं। केरल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी चंद्रशेखर ने राहुल गांधी के बयानों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को ''भाजपा एजेंट'' बताया और स्ट्रक्चर प्रक्रिया को लोकतंत्र के खिलाफ बताया है। चंद्रशेखर ने दावा किया कि केरल के तत्कालीन गृह मंत्री और कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूचियों से फर्जी मतदाताओं को हटाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के संदर्भ में कहा कि केरल में एसआईआर कराने वाले मुख्य निर्वाचन अधिकारी आज केरल के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा इसके आधार पर संबंधित व्यक्ति को कांग्रेस का एजेंट नहीं कहेगी, क्योंकि लोकतंत्र में यह समझना जरूरी है कि कौन-सी राजनीतिक सीमाएं पार नहीं की जानी चाहिए।

फ्लाईदुबई घटना पर किरेन रिजिजू बोले भारतीय पायलट के साहस पर पूरे देश को गर्व

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्लाईदुबई घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से बात के दौरान भारतीय मूल के पायलट स्मित मच्छार के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरे भारतीय समाज की ओर से इस घटना पर अपनी भावना व्यक्त की है।

रिजिजू ने कहा कि जब भारतीय मूल के किसी पायलट ने अपनी जान जोखिम में डालकर असाधारण साहस दिखाया, तो पूरी दुनिया उसकी प्रशंसा कर रही है। ऐसे में भारतीय होने के नाते स्वाभाविक रूप से गर्व महसूस होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी कोई भारतीय कोई असाधारण काम करता है और दुनिया को



यह दिखाता है कि भारतीय दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल सकते हैं, तो यह पूरे देश के लिए गर्व की बात होती है। उन्होंने कहा कि फ्लाईदुबई घटना में पायलट द्वारा दिखाई गई हिम्मत और दूसरों की जान बचाने के लिए उठाया गया जोखिम भारतीयों की साहस और मानवीय भावना को दर्शाता है।

राज्यसभा के उपसभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने बालयोगी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

यह दृष्टिकोण आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक मजबूत संसद के लिए ऐसे सक्षम जन-प्रतिनिधियों की आवश्यकता है जो अपनी जिम्मेदारियों को समझते हों।

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बिरला ने एक्स पर लिखा, बालयोगी संसदीय गरिमा, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की एक प्रेरणादायक विरासत हैं। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से संसदीय परंपराओं को मजबूत करने, सदन की गरिमा बनाए रखने और सभी दलों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाता है। उनका सार्वजनिक



जीवन संघर्ष, शिक्षा और निरंतर परिश्रम की यात्रा थी। उन्होंने बताया कि बालयोगी का दृढ़ विश्वास था कि लोकसभा अध्यक्ष की प्राथमिक जिम्मेदारी सदन की गरिमा और सम्मान को बनाए रखना है। अध्यक्ष का पद संभालने पर, उन्होंने सदन के सभी वर्गों को आश्वासन दिया कि अध्यक्ष के रूप में उनके निर्णय निष्पक्ष होंगे और वे सामूहिक बुद्धिमत्ता की भावना से सदन की कार्यवाही का संचालन करेंगे। उनकी संसदीय विरासत का एक महत्वपूर्ण पहलू संसदीय नैतिकता और आचरण से भी जुड़ा है। उनकी कोशिशों से लोकसभा के कामकाज के नियमों और प्रक्रियाओं में एक प्रावधान जोड़ा गया, जिसके तहत सदन के 'वेल' में आकर कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के लिए अपने-आप निलंबन का नियम बनाया गया। बिरला ने बताया कि संसद की विश्वसनीयता न केवल कानून बनाने की उसकी क्षमता से जुड़ी है, बल्कि उसके सदस्यों के आचरण और संस्थागत मर्यादा से भी जुड़ी है। बालयोगी ने इस पहलू पर विशेष ध्यान दिया। इस दिशा में, लोकसभा की पहली 'आचार समिति' का गठन करने का श्रेय भी उन्हें जाता है। बालयोगी केवल सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने तक ही सीमित नहीं थे। उनका मानना था कि जन-प्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पेशेवर प्रशिक्षण और परिचय-सत्र भी मिलना चाहिए। उन्होंने नए सांसदों और विधायकों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

मदुरांतकम उपचुनाव : मैदान में तेज प्रचार, लेकिन मतदाताओं में नहीं दिख रही खास हलचल

एजेंसी

मदुरांतकम। चेंगलपट्टू जिले के मदुरांतकम (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में आगामी 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। हालांकि, चुनाव की तारीख नजदीक आने के बावजूद क्षेत्र में अपेक्षित चुनावी हलचल बहुत ज्यादा नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोग अपने रोजमर्रा के कामकाज में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं।

उधर, सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के साथ-साथ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) समेत विपक्षी दलों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। क्षेत्र के मतदाताओं का रुख क्या है और वे किन स्थानीय समस्याओं का सामना कर रहे हैं, यह जानने के लिए हिंदुस्थान समाचार तमिल की टीम ने क्षेत्र का जमीनी जायजा लिया। 2026 के विधानसभा चुनाव में मदुरांतकम विधानसभा सीट से एआईएडीएमके के टिकट पर मरगदाम कुमरवेल ने जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) का दामन थाम लिया। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव में



टीवीके की ओर से मरगदाम कुमरवेल, डीएमके की ओर से आई. परंधामन और एआईएडीएमके की ओर से कनिता संपत समेत कई उम्मीदवार मैदान में हैं। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र की निवासी कन्नम्माल ने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि वह लोगों के लिए काम करेंगी, इसलिए हमने पिछले चुनाव में मरगदाम कुमरवेल को वोट दिया था। उनके पार्टी बदलने से हमें दुख हुआ है। ' चुनावी प्रक्रिया के तहत 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र में 80 वर्ष से अधिक आयु के 451 मतदाता और 480 दिव्यांग मतदाता, यानी कुल 931 मतदाता, इस सुविधा के पात्र थे। इनमें से 893 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिए मतदान किया, जबकि 38 मतदाताओं ने मतदान नहीं किया।

श्रीलंका की सत्ताधारी जेवीपी के प्रतिनिधिमंडल ने नितिन नवीन से की मुलाकात, संगठनात्मक अनुभवों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका की सत्ताधारी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से यहां स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में मुलाकात की। जेवीपी के महासचिव तिल्विन सिल्वा के नेतृत्व में भारत आए प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा अध्यक्ष के साथ दोनों राजनीतिक दलों के बीच संबंधों को मजबूत करने और संगठनात्मक अनुभव साझा करने पर चर्चा की। बैठक में आपसी राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने अपने भारत दौरे के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और दिल्ली भाजपा



प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा से भी मुलाकात की।

इस दौरान दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक संगठनों के कामकाज, जनसंपर्क और संगठन विस्तार से जुड़े अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला। जेवीपी का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026 तक भारत के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर है। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय संसद और दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय का भी दौरा किया। यह यात्रा भाजपा के अंतरराष्ट्रीय संपर्क कार्यक्रम के तहत विदेशी राजनीतिक दलों के साथ संवाद और संगठनात्मक अनुभवों के आदान-प्रदान की दिशा में एक पहल के रूप में देखी जा रही है। श्रीलंका और भारत के बीच राजनीतिक एवं कूटनीतिक संबंधों के संदर्भ में भी इस तरह के संवाद को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।